हिंदी शिक्षा सामग्री
कक्षा-छठी, विषय-हिन्दी (द्वितीय भाषा)

कक्षा छठी (द्वितीय भाषा)
वार्षिक पाठ्यक्रम योजना 2025-26(मासिक)

पाठ्य पुस्तक	व्याकरण
अप्रैल-मई 2025	
पाठ्य पुस्तक (पृष्ठ 1 से 11 तक) दोहराई, व्यंजन और मात्राओं के योग से नये शब्दों का निर्माण, पाठ -1 प्रार्थना, पाठ-2 सबसे बड़ा धन, पाठ-3 जय जवान! जय किसान! पाठ-4 इंद्रधनुष	स्वर, व्यंजन,मात्राएँ,(उच्चारण+लेखन) लिंग परिवर्तन, वचन परिवर्तन संज्ञा की पहचान (व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों की पहचान करवाना), मुहावरे, शुद्ध-अशुद्ध, **निबंध**:- मेरा परिचय, मेरा स्कूल, **कहानी**:- लालची कुत्ता, प्यासा कौआ, **प्रार्थना-पत्र**:- बीमारी के कारण अवकाश लेने के लिए मुख्याध्यापक को प्रार्थना-पत्र।
जून 2025 दोहराई	
जुलाई-अगस्त 2025	
पाठ-5 ईमानदार शंकर, पाठ-6 मैं और मेरी सवारी, पाठ-7 सूरज (कविता) पाठ-8 प्रायश्चित, पाठ-9 रोमांचक कबड्डी मुकाबला, पाठ-10 चिड़िया का गीत (कविता)	पर्यायवाची शब्द, 'र' के विभिन्न रूप, भाववाचक संज्ञा, (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक,संबंधवाचक, निजवाचक, और प्रश्नवाचक सर्वनाम) नये शब्दों का निर्माण, विपरीत शब्द **निबंध** :-मेरा गाँव/मेरा शहर, **प्रार्थना-पत्र**:- सेक्शन बदलने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना -पत्र। **कहानी**:- चालाक लोमड़ी
सितम्बर 2025 दोहराई और अर्धवार्षिक परीक्षा	
अक्तूबर-नवम्बर 2025	
पाठ-11 दूध का दूध पानी का पानी, पाठ-12 रेणुका झील, पाठ-13 काश! मैं भी (कविता) पाठ-14 कुमारी कालीबाई, पाठ-15 गुरुपर्व	कारक , विराम चिह्नों का प्रयोग, विशेषण (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक और सार्वनामिक), अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, **निबंध**:- दशहरा, गुरु नानक देव जी, **प्रार्थना-पत्र**:- आपके मुख्याध्यापक ने आपको स्कूल के बगीचे से फूल तोड़ते हुए देख लिया है, इस ग़लती के लिए उनसे क्षमा याचना करते हुए प्रार्थना-पत्र। **कहानी**:- एकता में बल है,
दिसम्बर 2025 -जनवरी 2026	
पाठ-16 चींटी (कविता), पाठ-17 पिल्ले बिकाऊ हैं पाठ-18 रसोई का ताज सब्ज़ियाँ, पाठ-19 पेड़ लगाओ (कविता)	विराम चिह्न, मुहावरे, नये शब्दों का निर्माण, शुद्ध-अशुद्ध **प्रार्थना-पत्र**:- जुर्माना माफ़ी के लिए प्रार्थना-पत्र। ज़रूरी काम के अवकाश लेने के लिए प्रार्थना पत्र। **निबंध**:- स्वच्छता अभियान, **कहानी**:- ईमानदार लकड़हारा,
फरवरी 2026	
पाठ-20 ज्ञान का भंडार : समाचार-पत्र	मुहावरे, शुद्ध-अशुद्ध, व्याकरण दोहराई
मार्च 2026 वार्षिक परीक्षा	

हिंदी टीम पंजाब

पाठ–1 (प्रार्थना)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें –

(क) बच्चों ने भगवान् से कौन–कौन से सम्बन्ध जोड़े हैं ?

उत्तर– बच्चों ने भगवान् को अपना माता–पिता तथा भाई, बन्धु और सखा माना है।

(ख) बच्चे किनकी आहें मिटाना चाहते हैं ?

उत्तर– बच्चे दुखियों की आहें मिटाना चाहते हैं।

(ग) बच्चे कौन–से अच्छे गुण अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं ?

उत्तर– सबका भला करना, सबके दुःख दूर करना, माता–पिता तथा गुरु का आदर करना जैसे अच्छे गुण बच्चे अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं।

(घ) बच्चे पढ़–लिखकर किसकी शान बढ़ाना चाहते हैं ?

उत्तर– बच्चे पढ़–लिखकर अपने देश की शान बढ़ाना चाहते हैं।

(ङ) बच्चे देश के लिए कैसे भविष्य की कामना करते हैं ?

उत्तर– बच्चे देश के लिए सुन्दर भविष्य की कामना करते हुए कहते हैं कि हमारे देश में चारों ओर हरियाली हो, हर घर में खुशहाली हो और हमारा देश आगे ही आगे बढ़ता जाए।

पाठ–2 (सबसे बड़ा धन)

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–

(क) कपिल मुनि के आश्रम का क्या नाम था ?

उत्तर– कपिल मुनि के आश्रम का नाम मुक्तसर आश्रम था।

(ख) राहुल कैसा आदमी था ?

उत्तर– राहुल एक गरीब आदमी था।

(ग) मुनि ने राहुल से सब से पहले क्या माँगा ?

उत्तर– मुनि ने सब से पहले राहुल से उसकी दोनों आँखें मांगी।

(घ) कपिल मुनि ने राहुल से दस लाख रुपये के बदले में क्या माँगा ?

उत्तर– कपिल मुनि ने राहुल से दस लाख रुपए के बदले में उसका मुख माँगा।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें –

(क) कपिल मुनि द्वारा राहुल से दोनों आँखें माँगने पर राहुल ने क्या जवाब दिया ?

उत्तर – कपिल मुनि द्वारा राहुल से दोनों आँखें माँगने पर राहुल ने मना करते हुए कहाँ कि आँखें दे दूँगा तो फिर मैं देखूंगा कैसे? नहीं, आँखें तो मैं नहीं दे सकता।

(ख) मुनि द्वारा दोनों हाथ माँगने पर राहुल सोच में क्यों पड़ गया ?

उत्तर– मुनि द्वारा राहुल से उसके दोनों हाथ माँगने पर वह इसलिए सोच में पड़ गया कि हाथ देकर तो वह कुछ भी नहीं कर सकेगा। अगर हाथ दे दूँगा तो फिर काम कैसे करूँगा।

(ग) जब मुनि ने राहुल से उसके दोनों पैर माँगे तो राहुल क्यों घबरा गया ?

उत्तर– जब मुनि ने राहुल से उसको दो लाख देने की बात करते हुए उससे उसके दोनों पैर मांग लिए तो वह यह सोचकर घबरा गया कि पैरों को दे देने से वह तो चल– फिर भी नहीं सकेगा। बिना पैरों के वह न तो कहीं आ सकेगा न जा सकेगा इसलिए उसने सोचा कि वह पैर भी नहीं देगा।

(घ) मुनि द्वारा दस लाख रुपये का लालच देने पर भी राहुल ने अपना मुख उन्हें क्यों नहीं दिया?

उत्तर– मुनि द्वारा मुख का मूल्य दस लाख दिए जाने पर भी राहुल ने मना करते हुए कहा कि ष्हे मुनिराज ! यदि मैं आपको अपना मुख ही दे दूँगा तो मैं खाऊँगा कैसे ?, पीऊँगा कैसे ? खाये–पीये बिना में जीवित कैसे रहूँगा ? किसी से बात कैसे कर सकूँगा ?

(ङ) मुनि ने सब से बड़ा धन किसे कहा ?

उत्तर – मुनि ने राहुल को समझाते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही सब से बड़ा धन है ? इस शरीर से मेहनत कर और कमाकर खा। इससे ही तुम्हें जीवन भर सुख मिलेगा।

(च) कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल के जीवन में क्या असर पड़ा ?

उत्तर – कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल शरीर का महत्त्व समझ गया और उसने मेहनत करनी शुरू कर दी जिससे वह देखते ही देखते अमीर बन गया।

पाठ–3 (जय जवान! जय किसान!)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें

(क) 'जय जवान ! जय किसान !' का नारा किसने दिया ?

उत्तर– 'जय जवान ! जय किसान !' का नारा श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने दिया था।

(ख) लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

उत्तर– श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म 2 अक्तूबर, सन् 1904 ई० को बनारस के कस्बे मुगलसराय में हुआ।

(ग) जेल से आने के बाद लाल बहादुर जी ने कौन–सी पढ़ाई पूरी की ?

उत्तर– जेल से आने के बाद लाल बहादुर जी ने शास्त्री की पढ़ाई पूरी की।

(घ) पुत्री के बीमार होने पर उन्हें कितने दिन के लिए रिहा किया गया ?

उत्तर– पुत्री के बीमार होने पर उन्हें पन्द्रह दिनों के लिए रिहा किया गया।

(ङ) शास्त्री जी का देहान्त कब हुआ ?

उत्तर– 11 जनवरी, 1966 ई० को शास्त्री जी का देहान्त हुआ।

(च) शास्त्री जी अपने सिद्धान्तों से समझौता करने को क्या समझते थे ?

उत्तर– शास्त्री जी अपने सिद्धान्तों से समझौता करना आत्मघातक समझते थे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में लिखें

क) शास्त्री जी अपने मित्रों से उधार क्यों नहीं माँगना चाहते थे ?

उत्तर– बचपन से ही अपने बनाए सिद्धान्तों पर चलने वाले शास्त्री जी अपने साथी से उधार मांगना अपने गौरव के विरुद्ध समझते थे इसीलिए वह अपने मित्रों से उधार नहीं मांगना चाहते थे।

(ख) लाल बहादुर शास्त्री जी ने लिखित शर्तों पर जेल से छूटने से क्यों इन्कार किया ?

उत्तर– लाल बहादुर शास्त्री जी ने लिखित शर्तों पर जेल से छूटने से इंकार इसलिए किया क्योंकि वे अपने सिद्धान्तों के पक्के थे। उनके अनुसार देश की आजादी के लिए लड़ना कोई गलत बात नहीं थी। इस पर इस देश के वीर सपूत ने लिखित शर्तों पर रिहा होने से इन्कार कर दिया।

(ग) मौत से जूझते पुत्र को छोड़कर शास्त्री जी वापिस जेल क्यों चले गए ?

उत्तर– लाल बहादुर जी अपने सिद्धान्तों के पक्के थे। अंग्रेज सरकार ने उन्हें केवल एक सप्ताह के लिए ही जेल से रिहा किया था। इसलिए सिद्धान्तों के अटल शास्त्री जी टायफायड ग्रस्त बेटे का मौत से जूझते छोड़कर भी देश सेवा के लिए वापिस जेल चले गए।

(घ) लाल बहादुर शास्त्री जी में ऐसे कौन–से गुण थे जिससे वे उच्च पद को प्राप्त कर सके ?

उत्तर– साहसी तथा स्वभाव से विनम्र, दृढ़ निश्चयी, लगन के पक्के, सिद्धान्तवादी जैसे गुणों के बल पर ही लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमन्त्री जैसे उच्च पद को प्राप्त कर सके।

(ङ) लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

उत्तर– लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है कि अगर हमारा निश्चय पक्का है, संकल्प दृढ़ है, तो हम जीवन में कोई भी उच्च पद प्राप्त कर सकते जीवन में सफलता हमारे कदम चूमेगी। इसके साथ–साथ यह भी प्रेरणा मिलती है कि देश हित के लिए अपने हित का त्याग करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

पाठ–4 (इन्द्रधनुष)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें –

(क) कविता में बादलों का रंग कैसा बताया गया है ?

उत्तर– कविता में बादलों का रंग काला बताया गया है।

(ख) वर्षा के बाद प्रकृति कैसी दिखाई देती है ?

उत्तर– वर्षा के बाद प्रकृति हरी–भरी दिखाई देती है।

(ग) वर्षा के बाद सूर्य दिखाई देने पर नभ पर क्या दिखाई देता है ?

उत्तर– वर्षा के बाद सूर्य दिखाई देने पर नभ पर इन्द्रधनुष दिखाई देता है।

(घ) इन्द्रधनुष का आकार कैसा होता है ?

उत्तर– इन्द्रधनुष का आकार झूले जैसा होता है।

(ङ) कवि ने इन्द्रधनुष के लिए अन्य कौन–सा शब्द प्रयोग किया है ?

उत्तर– कवि ने इन्द्रधनुष के लिए सतरंगा, झूला, हृदयहार शब्दों का प्रयोग किया है।

पाठ–5 (ईमानदार शंकर)

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–

(क) कहानी में ईमानदार बालक का क्या नाम है ?

उत्तर– कहानी में ईमानदार बालक का नाम शंकर है।

(ख) शंकर का स्वभाव कैसा था ?

उत्तर– कड़ी मेहनत करना शंकर का स्वभाव था।

(ग) शंकर धन कमाने के लिए गाँव से कहाँ गया ?

उत्तर– शंकर धन कमाने के लिए गाँव से नगर की ओर गया।

(घ) शंकर को दुकान के आगे से क्या मिला ?

उत्तर– शंकर को दुकान के आगे से पाँच रुपए का एक नोट मिला।

(ङ) लेखक ने कहानी में सुख की खान किसे कहा है ?

उत्तर– लेखक ने कहानी में ईमानदारी को सुख की खान कहा है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में दें–

(क) शंकर ने हलवाई को पाँच रुपए का नोट क्यों दे दिया ?

उत्तर – शंकर एक ईमानदार बालक था । जब उसे दुकान के बाहर पाँच रुपए का नोट मिला तो उसने सोचा कि यह नोट उस दुकानदार हलवाई का ही है इसीलिए उसने यह नोट उसे दे दिया।

(ख) हलवाई ने शंकर को नौकरी क्यों दे दी ?

उत्तर– शंकर की ईमानदारी से हलवाई बड़ा प्रसन्न हुआ। शंकर उसे एक मेहनती बालक लगा। इसीलिए उसने शंकर को अपने यहाँ नौकरी दे दी।

पाठ–6 (मैं और मेरी सवारी)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें –

(क) दो पहिये वाली सवारी को क्या कहते हैं ?

उत्तर– दो पहिये वाली सवारी को अंग्रेजी में 'बाइसिकल' कहते हैं।

(ख) बुजुर्गों के स्वास्थ्य का राज क्या है ?

उत्तर – बुजुर्गों के स्वास्थ्य का राज है– उनका नियमित रूप से साइकिल चलाना।

(ग) साइकिल का आविष्कार किसने और कब किया ?

उत्तर – साइकिल का आविष्कार स्काटलैंड के मैकमिलन ने सन् 1839 में किया।

(घ) यदि थोड़ी दूर जाना हो तो कौन–सी सवारी उत्तम है ?

उत्तर– यदि थोड़ी दूर जाना हो तो साइकिल सबसे उत्तम सवारी है।

(ङ) वायु प्रदूषण कैसे होता है ?

उत्तर– मोटर–गाड़ियों से निकलने वाले धुएँ से वायु प्रदूषण होता है।

(च) खेल दिवस पर साइकिल दौड़ के मुकाबले कौन–कौन से होते हैं ?

उत्तर– खेल दिवस पर साइकिल दौड़ के मुकाबलों में धीमी गति और तेज गति की साइकिल दौड़ होती है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें–

(क) उत्तम स्वास्थ्य के लिए साइकिल की सवारी अच्छी है, कैसे ?

उत्तर– उत्तम स्वास्थ्य के लिए साइकिल की सवारी अच्छी है क्योंकि साइकिल चलाना एक सम्पूर्ण व्यायाम है। साइकिल चलाने से स्फूर्ति आती है, रोग कोसों दूर भाग जाते हैं।

(ख) साइकिल पर्यावरण हितैषी है, कैसे ?

उत्तर – साइकिल न तो प्रदूषण फैलाती है और न ही इसके चलाने से कोई शोरगुल होता है। अतः इसके चलने से पर्यावरण को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता। इसी कारण साइकिल पर्यावरण हतैषी है।

(ग) साइकिल चलाने के क्या लाभ हैं ? लिखो।

उत्तर – साइकिल चलाने के अनेकों लाभ हैं :–

(i) साइकिल चलाने से शरीर तंदरुस्त रहता है।

(ii) साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ मजबूत बनती हैं।

(iii) यह यातायात का एक सरल तथा सुगम साधन है।

(iv) यह खर्चीला साधन भी नहीं है।

(v) इससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं होती।

पाठ–7 (सूरज)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें –

(क) सूरज के निकलने पर क्या फैल जाता है?

उत्तर– सूरज के निकलने पर प्रकाश फैल जाता है।

(ख) सूरज किस दिशा से निकलता है?

उत्तर– सूरज पूरब दिशा से निकलता है।

(ग) सूरज किस दिशा में छिपता है ?

उत्तर– सूरज पश्चिम दिशा में छिपता है।

पाठ–8 (प्रायश्चित)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–

(क) बच्चों ने किस त्योहार के अवसर पर लकड़ियाँ जलायीं ?

उत्तर– होली के त्योहार के अवसर पर बच्चों ने लकड़ियाँ जलायीं।

(ख) बच्चों ने होली कहाँ मनायी ?

उत्तर– गाँव के शिवालय के पास खुले मैदान में बच्चों ने होली मनायी।

(ग) गोपू कैसे गुजारा करता था ?

उत्तर– गोपू उपले बेचकर अपना गुजारा करता था।

(घ) शरारती लड़कों ने किसके घर से उपले चुराये ?

उत्तर – शरारती लड़कों ने गोपू के घर से उपले चुराये।

(ङ) मुखिया ने शरारती बच्चों को क्या सजा दी ?
उत्तर– मुखिया ने शरारती बच्चों को उपले बनाने की सजा दी।
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में दें–
(क) क्या आप मुखिया द्वारा बच्चों को दी गई सज्जा से सहमत हैं ? क्यों ?
उत्तर– मुखिया द्वारा बच्चों को उपले बनाने की दी गई संजा से हम पूरी तरह से सहमत हैं क्योंकि कोई पर्व या त्योहार यहाँ तक कि कोई भी अच्छा कार्य किसी का दिल दुखा कर नहीं करना चाहिए।

(ख) गोपू का चेहरा प्रसन्नता से क्यों खिल उठा ?
उत्तर– बच्चों द्वारा उसके उपले चुरा लिए जाने से गोपू उदास हो गया था। उसने इसकी शिकायत गाँव के मुखिया से की। जब मुखिया ने उसे न्याय दिलाते हुए सभी बच्चों को उपले बना दिए जाने के बाद ही होली मनाने की बात कही तो यह बात सुनकर गोपू का चेहरा प्रसन्नता से खिल गया।

पाठ–9 (रोमाँचक कबड्डी मुकाबला)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें –
(क) कबड्डी की दोनों टीमों के क्या नाम थे ?
उत्तर– कबड्डी की दोनों टीमों के नाम थे– सरोजिनी टीम तथा लक्ष्मीबाई टीम।
(ख) प्रत्येक टीम में कितने खिलाड़ी थे ?
उत्तर – प्रत्येक टीम में सात–सात खिलाड़ी थे।
(ग) सरोजिनी टीम के कप्तान का क्या नाम था ?
उत्तर – सरोजिनी टीम के कप्तान का नाम अशोक था।
(घ) लक्ष्मीबाई टीम के कप्तान का क्या नाम था ?
उत्तर– लक्ष्मीबाई टीम के कप्तान का नाम रमन था।
(ङ) किसी टीम के खिलाड़ी को मरा हुआ कैसे घोषित किया जाता है ?
उत्तर– एक टीम का खिलाड़ी दूसरे टीम के खिलाड़ी के पाले में जाकर उसे छूकर यदि वापिस अपने पाले में लौट आता है तो दूसरी टीम का खिलाड़ी मरा हुआ समझा जाता है।
(च) 'मरा हुआ' कहलाने से बचने के लिए खिलाड़ी को क्या करना पड़ता है ?
उत्तर– 'मरा हुआ' कहलाने से बचने के लिए उसे अपने को छूने वाले खिलाड़ी को उसके पाले में जाने से रोक देना चाहिए।
(छ) कौन–सी टीम विजयी घोषित की गई ?
उत्तर– सरोजिनी टीम विजयी घोषित की गई।
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें –
(क) कबड्डी में साँस टूटने का क्या अर्थ है ?
उत्तर– कबड्डी के खेल में खिलाड़ी को एक लम्बी साँस भरते हुए तथा कबड्डी–कबड्डी करते हुए विरोधी पाले में जाना होता है। यदि बोलते–बोलते या विरोधी टीम द्वारा पकड़े जाने पर खिलाड़ी का कबड्डी बोलना बन्द हो जाता है तो इसे साँस टूटना कहते हैं।
(ख) कोई भी मैच खेलते समय टीम के खिलाड़ियों में आपके अनुसार कौन– कौन से गुण होने चाहिए ?
उत्तर– कोई भी खेल हो हमें मित्रता और सद्भावना से खेलना चाहिए। खिलाड़ी में सहनशीलता तथा धीरज होना चाहिए। उसे खेल के नियमों का पालन करना चाहिए। खेल भावना का ध्यान रखते हुए यह प्रयास भी रहना चाहिए कि किसी खिलाड़ी को उसके द्वारा कोई हानि न पहुँचे।

पाठ–10 (चिड़िया का गीत)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें –
(क) चिड़िया के घर का आकार सबसे पहले कैसा था ?
उत्तर– चिड़िया के घर का आकार सबसे पहले अण्डे जैसा था।
(ख) चिड़िया का घोंसला किस चीज से बना था ?
उत्तर– चिड़िया का घोंसला सूखे तिनकों से बना था।
(ग) पेड़ की शाखाएँ कैसी थीं ?
उत्तर –पेड़ की शाखाएँ हरी–भरी तथा कोमल थीं।

पाठ–11 (दूध का दूध, पानी का पानी)

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–
(क) राजा की परीक्षा किसने लेनी चाही ?
उत्तर– राजा की परीक्षा पड़ोसी राजा ने लेनी चाही।
(ख) राजा को रास्ते में कौन मिला ?
उत्तर– राजा को रास्ते में एक ठग मिला।

(ग) घोड़े का असली मालिक कौन था ?
उत्तर– घोड़े का असली मालिक राजा था।
(घ) किसान को कितने चाबुक लगाने का दण्ड दिया गया ?
उत्तर – किसान को पचास चाबुक लगाने का दण्ड दिया गया।
(ङ) इस कहानी में कौन–सा पात्र गूँगा और बहरा था ?
उत्तर– इस कहानी में नौकर पात्र गूँगा और बहरा था।
(च) 'सच्चा न्याय' के लिए हिन्दी में किस मुहावरे का प्रयोग होता है ?
उत्तर– 'दूध का दूध पानी का पानी'।
(छ) पड़ोसी राजा ने अन्त में क्या संकल्प किया ?
उत्तर – पड़ोसी राजा ने भी बुद्धि से न्याय करने का संकल्प लिया।
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में दें–
(क) ठग ने घोड़े को पहचान लिया, परन्तु घोड़े ने ठग को नहीं पहचाना – इन पंक्तियों का क्या भाव है ?
उत्तर– इन पंक्तियों का भाव है कि यद्यपि ठग ने राजा के अस्तबल में जाकर अपने उस घोड़े को पहचान लिया जो उसने पड़ोसी राजा से ठगा था, लेकिन घोड़ा क्योंकि स्वामी भक्त था इसलिए वह ठग को देखकर हिनहिनाया भी नहीं इसीलिए लेखक ने कहा कि उसने उसे नहीं पहचाना।
(ख) राजा ने पड़ोसी राजा और ठग के मुकद्दमे का फैसला कैसे किया ?
उत्तर –राजा ने पड़ोसी राजा और ठग की शिकायत सुनकर घोड़ा अपने पास रख लिया और उन्हें अगले दिन बुलाया। दूसरे दिन राजा पहले पड़ोसी राजा को अपने अस्तबल में ले गया और घोड़ा पहचानने को कहा। राजा ने अपना घोड़ा पहचान लिया और घोड़े ने भी उसे पहचान लिया और जोर से हिनहिनाया। फिर ऐसा ही ठग के साथ भी किया गया। ठग ने भी घोड़ा तो पहचान लिया लेकिन घोड़े ने कुछ प्रतिक्रिया नहीं दिखाई। अतः राजा समझ गया कि घोड़ा किसका है। राजा ने ठग को सजा देते हुए घोड़ा पड़ोसी राजा को लौटा दिया।

पाठ–12 (रेणुका झील)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें –
(क) क्षितिज अपने माता–पिता और भाई के साथ कहाँ घूमने गया था ?
उत्तर– क्षितिज अपने माता–पिता और भाई के साथ हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में रेणुका जी घूमने गया था।
(ख) श्री बालाजी सुन्दरी जी का मन्दिर कहाँ पर है ?
उत्तर– श्री बालाजी सुन्दरी जी का मन्दिर काला अम्ब से 6 किलोमीटर की दूरी पर त्रिलोकपुर ग्राम में है।
(ग) तालाबों का शहर किसे कहा जाता है ?
उत्तर– नाहन को तालाबों का शहर कहा जाता है।
(घ) रेणुका जी किस की माता थीं ?
उत्तर– रेणुका जी परशुराम जी की माता थीं।
(ङ) रेणुका का मेला कहाँ आयोजित किया जाता है ?
उत्तर– रेणुका का मेला हर वर्ष नवम्बर महीने में रेणुका झील के किनारे आयोजित किया जाता है।

(च) पाँवटा साहिब गुरुद्वारे का सम्बन्ध किस गुरु से है ?
उत्तर –पाँवटा साहिब गुरुद्वारे का सम्बन्ध दशम गुरु श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी से है।
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें –
(क) नाहन शहर की विशेषताएँ लिखें।
उत्तर – शिवालिक की पहाड़ियों में बसा नाहन शहर देखने में बहुत खूबसूरत है। सन् 1921 में बसाया गया यह शहर समुद्र तल से 933 मीटर ऊँचा है। नाहन को तालाबों का शहर कहा जाता है। यहाँ का रानी ताल तालाब सबसे सुन्दर है। सर्वधर्म सद्भाव के इस शहर में मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा व चर्च मौजूद हैं।
(ख) रेणुका जी से सम्बन्धित दंत कथा लिखें।
उत्तर – हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील रेणुका झील है। माना जाता है कि यह झील परशुराम जी की माता रेणुका जी है जिन्होंने अपने पति ऋषि यमदाग्नि के शाप के कारण एक झील का रूप धारण कर लिया था।
(ग) रेणुका झील की विशेषताएँ लिखें।
उत्तर– रेणुका झील हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है। यह झील परशुराम जी की माता रेणुका के नाम पर है। इसकी लम्बाई 3241 मीटर की है तथा यह समुद्र तल से 672 मीटर ऊँचाई पर है। यहाँ पर बच्चों के लिए मिनी चिड़िया घर है। यहाँ की लायन सफारी कई एकड़ में फैली हुई है। इस झील के किनारे प्रत्येक वर्ष नवम्बर महीने में बड़ा भारी मेला लगता है।
(घ) पाँवटा साहिब गुरुद्वारे की जानकारी एकत्रित कर लिखें।
उत्तर– पाँवटा साहिब गुरुद्वारा सिक्खों का एक प्रमुख और पवित्र धार्मिक स्थल है। यह हिमाचल प्रदेश में स्थित है। यमुना नदी के तट पर बसा ऐतिहासिक व धार्मिक स्थल गुरुद्वारा पाँवटा साहिब बड़ा ही रमणीय है। पाँवटा साहिब में गुरु गोबिन्द सिंह जी कई वर्षों तक रहे। आज पाँवटा साहब एक तीर्थ स्थान के रूप में परिणत हो चुका है।

पाठ–13 (काश ! मैं भी)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें –

(क) कवयित्री सीमा पर जाकर किससे युद्ध करना चाहती है ?

उत्तर– कवयित्री सीमा पर जाकर दुश्मनों से युद्ध करना चाहती है।

(ख) वह कैसे शहीद होना चाहती है ?

उत्तर– वह देश की रक्षा करते हुए लड़ते–लड़ते शहीद होना चाहती है।

(ग) वह अपने हाथों में कैसे हथियार सजाना चाहती है ?

उत्तर– वह अपने हाथों में तोपों और बन्दूकों के हथियार सजाना चाहती है।

(घ) वह किस घाटी का पत्थर बनना चाहती है ?

उत्तर –वह कारगिल की घाटी का पत्थर बनना चाहती है।

(ङ) वह अपना जीवन कैसे सफल बनाना चाहती है ?

उत्तर – वह देश रक्षा करने वाले शहीदों को सलाम कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती है।

पाठ–14 (कुमारी कालीबाई)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें –

(क) कुमारी कालीबाई का स्मारक राजस्थान के किस गाँव में बना है ?

उत्तर– कुमारी कालीबाई का स्मारक राजस्थान के रास्तापाल गाँव में बना है।

(ख) कुमारी कालीबाई जब देश के लिए शहीद हुई तो उसकी उमर कितनी थी ?

उत्तर –कुमारी कालीबाई जब देश के लिए शहीद हुई तो उसकी उमर 13 वर्ष की थी।

(ग) रास्तापाल गाँव के कौन–से दो अध्यापक क्रांतिकारी गतिविधियाँ चलाते थे ?

उत्तर – रास्तापाल गाँव के नानाबाई खाँट और सेंगाभाई क्रांतिकारी गतिविधियाँ चलाते थे।

(घ) इस घटना में शहीद हुए अध्यापक का क्या नाम था ?

उत्तर– इस घटना में शहीद हुए अध्यापक का नाम था – नानाभाई खाँट।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में दें –

(क) भोगीलाल पंडया और स्कूल के दो अध्यापक अंग्रेज सरकार के खिलाफ क्या काम करते थे ?

उत्तर –भोगीलाल पंडया और स्कूल के दो अध्यापक गुप्त रूप से अंग्रेज सरकार के खिलाफ काम किया करते थे। वे क्रांतिकारियों की सभाएँ करते, पर्चे बँटवाते और सूचनाएँ भिजवाते थे।

(ख) कुमारी कालीबाई ने अध्यापक सेंगाभाई को अंग्रेजों से कैसे बचाया ?

उत्तर – अध्यापक सेंगाभाई को अंग्रेजों ने जीप के पीछे रस्सियों से बाँध दिया था। उसकी इस हालत को देखकर कालीबाई दौड़कर जीप के सामने आ गई और मास्टर साहब को छोड़ देने को कहा। न मानने पर उसने स्वयं ही हँसिया से उसकी रस्सियाँ काट दीं और सेंगाभाई को आजाद करवाया।

(ग) कुमारी कालीबाई देश के लिए कैसे शहीद हुई ?

उत्तर –कुमारी कालीबाई ने जब सेंगाभाई को अंग्रेजों से मुक्त करवाया तो अंग्रेजों ने गुस्से में आकर उस पर गोलियों की बौछार कर दी। कालीबाई की जीवनलीला समाप्त हो गई। इस तरह वह देश के लिए शहीद हो गई।

पाठ–15 (गुरुपर्व)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–

(क) गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व कब मनाया जाता है ?

उत्तर– गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

(ख) नगर कीर्तन किन की अगुवाई में होता है ?

उत्तर– नगर कीर्तन पाँच प्यारों की अगुवाई में होता है।

(ग) नगर कीर्तन में गतका खेलने वाले लोगों को अपनी ओर कैसे आकर्षित करते हैं ?

उत्तर– नगर कीर्तन में गतका खेलने वाले अपनी वीरता और कला से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

घ) नगर कीर्तन विभिन्न स्थानों से होता हुआ कहाँ जाकर सम्पन्न होता है ?

उत्तर– विभिन्न स्थानों से होता हुआ नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब में जाकर सम्पन्न होता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में दें–

क) प्रभातफेरियों में श्रद्धालु क्या करते हैं ?

उत्तर– गुरुपर्व से कुछ दिन पहले प्रभातफेरियों का आयोजन रहता है। प्रभातफेरियों में श्रद्धालु ढोलक तथा चिमटे बजाते हुए शबद उच्चारण करते हैं।

ख) गुरुपर्व के अवसर पर गुरुद्वारे को किस तरह सजाया जाता है ?

उत्तर– गुरुपर्व के अवसर पर सजावट के काम को बहुत महत्त्व दिया जाता है। इस अवसर पर साफ–सफाई का बड़ा ध्यान रखा जाता है। गुरुद्वारे को रंगबिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारे की सजावट देखते ही बनती है।

ग) 'गुरु का लंगर' के अटूट वितरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– 'गुरु का लंगर' के अटूट वितरण से अभिप्राय है, बिना किसी रोक के या बिना किसी विघ्न के लगातार लंगर का बाँटा जाना।

घ) गुरुपर्व की रात की शोभा का वर्णन अपने शब्दों में करें।

उत्तर– गुरुपर्व वाले दिन, रात को लोग अपने घरों, दुकानों आदि में दीपमाला करते हैं तथा पटाखे चलाते हैं। गुरुद्वारों में दीवान सजाए जाते हैं जिसमें दूर–दूर से रागी जत्थे गुरुवाणी का कीर्तन करते हैं।

पाठ–16 (चींटी)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें –

(क) चींटी की काया कैसी है ?

उत्तर– चींटी की काया बहुत छोटी है।

(ख) चींटी से हम क्या सीख सकते हैं ?

उत्तर– चींटी से हम अथक परिश्रम करना सीख सकते हैं।

(ग) विजय कैसे मिलती है ?

उत्तर – अथक मेहनत करने से ही विजय मिलती है।

(घ) 'चींटी कितनी निर्भय है, अपने श्रम में तन्मय है', से कवि का क्या भाव है ?

उत्तर– कवि कहना चाहता है कि देखो चींटी निडर है। निडरतापूर्वक वह घूमती है और अपना मेहनत में लीन रहती है।

पाठ–17 (पिल्ले बिकाऊ हैं)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–

(क) दुकानदार ने दुकान के बाहर बोर्ड पर क्या लिखा था ?

उत्तर– दुकानदार ने दुकान के बाहर बोर्ड पर लिखा था– 'पिल्ले बिकाऊ हैं।'

(ख) बच्चे की जेब में कितनी राशि थी ?

उत्तर– बच्चे की जेब में 2 डालर और 37 सैंट की राशि थी।

(ग) अपाहिज पिल्ले के शरीर का कौन–सा भाग टूटा था ?

उत्तर – अपाहिज पिल्ले का कूल्हा टूटा हुआ था।

(घ) दुकानदार ने अपाहिज पिल्ले की क्या कीमत बतायी ?

उत्तर – दुकानदार ने अपाहिज पिल्ले की कोई कीमत नहीं बतायी।

(ङ.) बच्चे की टाँग किस कारण ख़राब हो चुकी थी ?

उत्तर– बच्चे की टाँग पोलियो के कारण ख़राब हो चुकी थी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दें –

(क) बच्चे द्वारा पिल्लों की कीमत पूछने पर दुकानदार ने क्या उत्तर दिया ?

उत्तर– बच्चे द्वारा पिल्लों की कीमत पूछने पर दुकानदार ने कहा कि पिल्ले की नसल और सेहत के मुताबिक उनकी कीमत रखी गयी है जो 30 डालर से पचास डालर के बीच हो सकती है।

(ख) पिल्ले के अपाहिज होने का कारण पूछने पर दुकानदार ने क्या कहा ?

उत्तर – पिल्ले के अपाहिज होने के कारण पूछने पर दुकानदार ने कहा, इसके जन्म के समय इसका एक कूल्हा बुरी तरह टूट गया है, जिसके कारण यह कभी भी दूसरे कुत्तों की तरह नहीं चल पाएगा।

(ग) बच्चे ने अपाहिज पिल्ले को ही क्यों खरीदा ?

उत्तर– बच्चा स्वयं भी पोलियो का शिकार होकर अपाहिज था। इसीलिए वह अपाहिज के दर्द को समझता था इसीलिए उसने अपाहिज पिल्ले को खरीदा।

(घ) दुकानदार ने बच्चे के फैसले से प्रभावित होकर क्या कहा ?

उत्तर– दुकानदार ने बच्चे के फैसले से प्रभावित होकर कहा कि बेटा मैं आशा करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इन सभी पिल्लों को तुम्हारे जैसा ही अच्छा मालिक मिले।

(ङ.) कहानी की अन्तिम पंक्ति में सच्चे मित्र की क्या विशेषता बतायी है ?

उत्तर– सच्चा मित्र वही है जो उस समय काम आता है, जबकि सारी दुनिया मुँह मोड़ लेती है।

पाठ–18 (रसोई का ताज सब्जियाँ)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें–

(क) आलू ने अपने किस रूप को पूर्ण आहार कहा ?

उत्तर– आलू ने उबले हुए रूप को पूर्ण आहार कहा।

(ख) टमाटर ने किन रोगियों को अपना सेवन करने से मना किया है ?

उत्तर– टमाटर ने पथरी के रोगियों को अपना सेवन करने से मना किया।

(ग) घीये को शरीर के किस भाग पर मलने से शरीर की गर्मी दूर होती है ?

उत्तर– घीये को तलवों पर मलने से शरीर की गर्मी दूर होती है।

(घ) पीलिया और शूगर के रोगियों के लिए किस का रस वरदान से कम नहीं है ? पाठ के आधार पर बताएँ।

उत्तर– पीलिया और शूगर के रोगियों के लिए करेले का रस वरदान से कम नहीं है।

(ङ) किस सब्जी के सिर पर ताज लगा होता है? पाठ के आधार पर बताएँ।

उत्तर– बैंगन के सिर पर ताज लगा होता है।

(च) किस सब्जी ने कहा कि मुझमें लौह तत्व होता है ?

उत्तर –बैंगन ने कहा कि मुझमें लौह तत्व होता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में दें–

(क) आलू ने अपने आपको सब्जियों का राजा क्यों कहा ?

उत्तर– आलू ने कहा कि रसोई में सबसे ज्यादा प्रयोग मेरा होता है। हरेक सब्जी के साथ मेरा उपयोग होता है। सभी मुझे पसन्द करते हैं। रायता, परांठा, समोसे, टिक्की, चाट, पकौड़े तथा चिप्स सभी मुझसे ही बनते हैं। इसलिए मैं सब्जियों का राजा हूँ।

(ख) आलू ने जरूरत से ज्यादा अपना प्रयोग करने से मना क्यों किया ?

उत्तर– आलू ने जरूरत से ज्यादा अपना सेवन करने से मना इसलिए किया क्योंकि इससे मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग हो सकता है।

(ग) टमाटर ने अपनी प्रशंसा कैसे की ?

उत्तर – अपनी प्रशंसा करते हुए टमाटर ने कहा, ''मुझे देखो ! मेरा रूप कितना सुन्दर है। मेरा लाल–लाल रंग सभी को लुभाता है। मैं जहाँ एक और रक्त निर्माण करता हूँ वहीं रक्त साफ करने में भी सहायक हूँ। मैं जिगर को मजबूत बनाता हूँ और भूख बढ़ाता हूँ।

(घ) घीये को किन लोगों से शिकायत है ? उसने अपने सेवन के क्या तरीके बताए ?

उत्तर– घीए को उन लोगों से शिकायत है जो इसे खरीदकर ले तो जाते हैं लेकिन इसकी सब्जी खाने में नाक सिंकोड़ते हैं। रायता, कोफते तथा हलवा के रूप में भी घीये का सेवन किया जा सकता है।

(ङ) करेले ने अपने आपको गुणकारी क्यों कहा ?

उत्तर – करेले ने अपने आपको गुणकारी मानते हुए कहा कि मैं पचने में हल्का हूँ। मैं भूख बढ़ाने, भोजन पचाने वाला हूँ। मेरे सेवन से पेट के कीड़े भी मर जाते हैं तथा रक्त भी साफ होता है। पीलिया और शूगर के रोगियों के लिए तो मैं वरदान से कम नहीं हूँ।

(च) पुदीने ने अपने आपको गुणों की खान क्यों कहा ?

उत्तर –पुदीने ने अपने गुणों का बखान करते हुए बताया कि मैं गर्मी के कारण होने वाले रोगों जैसे उल्टियाँ, खट्टी डकारें की छुट्टी कर देता हूँ। मेरे सामने इनकी एक नहीं चलती। चटनी के रूप में तो मैं बहुत लोकप्रिय हूँ।

पाठ–19 (पेड़ लगाओ)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें –

(क) कवि के अनुसार जीवन के लिए क्या जरूरी है ?

उत्तर – कवि के अनुसार जीवन में पेड़ लगाना बहुत जरूरी है।

(ख) कवि ने फुलवारी में कौन–से पौधे लगाने को कहा है ?

उत्तर– कवि ने फुलवारी में नींबू और अनार के पौधे लगाने को कहा है।

(ग) कवि के अनुसार मानव ने हँसना किससे सीखा है ?

उत्तर –कवि के अनुसार मानव ने हँसना फूलों से सीखा है।

(घ) कवि ने खेत की मेंडों पर कौन–से पेड़ लगाने को कहा है ?

उत्तर –कवि ने खेत की मेंडों पर शीशम के पेड़ लगाने को कहा है।

(ङ) 'फिर भी खाली सड़क शहर सूना सूना', में कवि ने किसकी कमी के बारे में बताया है ?

उत्तर– इस पंक्ति में कवि ने पेड़ों की कमी के बारे में बताया है।

पाठ–20 (ज्ञान का भंडार समाचारपत्र)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें –

(क) लेखक ने ज्ञान का भंडार किसे कहा है ?

उत्तर– लेखक ने समाचार पत्र को ज्ञान का भंडार कहा है।

(ख) बच्चों की रुचि की क्या–क्या सामग्री अख़बार में मिलती है ?

उत्तर– बच्चों के लिए कहानियाँ, बाल कविताएँ तथा चुटकुलों के साथ–साथ पहेलियाँ होती हैं।

(ग) अखबार महिलाओं के लिए कैसे उपयोगी है ?

उत्तर– इसमें महिलाओं को रसोई की बहुत सारी चीजें बनाना सिखाया जाता है।

(घ) युवा लोग इससे क्या लाभ उठा सकते हैं ?

उत्तर– युवाओं के लिए भी बहुत सी सामग्री इसमें रहती है जैसे कौन–सा विषय और कौन सी राह जीवन में चुनें इसका ब्योरा रहता है।

(ङ) बच्चे अपना सामान्य ज्ञान कैसे बढ़ा सकते हैं ?
उत्तर– बच्चे प्रतिदिन समाचार–पत्र पढ़कर अपना सामान्य ज्ञान दूसरों से अधिक बढ़ा सकते हैं।
(च) समाचार–पत्र प्रकाशन किस मशीन के आने से शुरू हुआ ?
उत्तर– कागज छापने की मशीन आने के साथ ही समाचार पत्रों का प्रकाशन शुरू हुआ।
(छ) देशभक्तों ने लोगों में देश भक्ति की भावना कैसे भरी ?
उत्तर– देशभक्तों ने समाचार पत्रों के द्वारा ही लोगों में देशभक्ति की भावना भरी।
(ज) शहीद भगत सिंह ने किस नाम से और किस अख़बार में काम किया था ?
उत्तर– शहीद भगतसिंह ने 'बलवंत' के नाम से 'प्रताप' अख़बार में काम किया।
(झ) आजकल समाचार कैसे भेजे जाते हैं ?
उत्तर– आजकल समाचार इंटरनेट द्वारा भेजे जाते हैं।
(ऊ) रिपोर्टर किसे कहते हैं ?
उत्तर– समाचार भेजने वाले को रिपोर्टर कहते हैं।
(ट) घरों में अख़बार कौन लाता है ?
उत्तर– घरों में अखबार हॉकर देकर जाता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें –

(क) अख़बार पढ़ना क्यों जरूरी है ?
उत्तर– अपने देश, समाज, विदेश में क्या घटना घट रही है, इसकी जानकारी के लिए अख़बार पढ़ना जरूरी है। इसको पढ़ने वाले का सामान्य ज्ञान दूसरों से ज़्यादा होता है।
(ख) लोगों में देशभक्ति की भावना कैसे भरी जा सकती है ?
उत्तर– लोगों में देशभक्ति की भावना समाचार–पत्रों के द्वारा भरी जा सकती है।
(ग) अख़बार हमारे घर तक कैसे पहुँचता है ?
उत्तर– समाचार–पत्रों के प्रकाशन करने के बाद इन्हें बंडल बनाकर अलग–अलग शहरों में भेजा जाता है। वहाँ एजेंसी मालिक हॉकरों को बाँटने के लिए अख़बार देता है और हॉकर हमारे घर तक अख़बार पहुँचाता है।
(घ) समाचार–पत्र ज्ञान का भंडार हैं। कैसे ?
उत्तर– समाचार–पत्र से हमें अपने शहर, अपने राज्य, अपने देश और विदेश में घटित घटनाओं की जानकारी मिलती है। इसके साथ–साथ खेल, राजनीति व अन्य समाचार भी इसमें रहते हैं। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है। इसीलिए इसे ज्ञान का भंडार कहा गया है।

पंजाबी से हिंदी

पंजाबी	हिंदी
ਬੱਚੇ	बच्चे
ਦੁੱਖ	दु:ख
ਆਗਿਆ	आज्ञा
ਗੁਰੂ	गुरु
ਅੱਗੇ	टागे
ਮਿੱਤਰ	सखा, मित्र
ਉਪਾਅ	उपाय
ਦੁੱਖੀ	दु:खी
ਪੈਸਾ	पैसा
ਲੱਖ	लाख
ਪ੍ਰਾਪਤ	प्राप्त
ਨੇੜੇ, ਕੋਲ	पस
ਪੁੱਤਰ	पुत्र
ਪੁੱਤਰੀ	पुत्री
ਗੰਗਾ	गंगा
ਸ਼ਕਤੀ	शक्ति
ਅੱਖਾਂ	आँखों
ਲਿਖਤੀ	लिखित
ਮੁ ਕਿਲ	विकट
ਕਿਰਨਾਂ	किरणें
ਇੱਗਤ	सम्मान
ਉ!ਚੀ ਪਦਵੀ	उच्च पद
+ੰਗ	रंग
ਕਿਰਨਾਂ	किरणें
ਅਕਾ	नभ
ਸਤਰੰਗੀ ਪੀਜ਼ਘ	इन्द्रधनुष
ੰਕਰ	शंकर
ਮਾਰਗ	मार्ग
ਖੁ	प्रसन्न
ਮਿਹਨਤ	श्रम
ਸੁਭਾਅ	स्वभाव
ਕੰਮ	काम
ਅਨੰਦ	आनंद
ਤਿਆਰ	तैयार
ਰੋਨੀ	उजाला
ਸਾਇਕਲ	साइकिल
ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ	पीढ़ियाँ
ਦੋਸਤੀ	मित्रता
ਰੁਕਾਵਟ	बाधा
ਖੋਜ	आविष्कार
ਆਵਾਜਾਈ	यातायात
ਬਿਜਲੀ	बिजली
ਸੋਮਾ	स्रोत
ਛਿੱਪ	ढल
ਸਰਦੀ	सर्दी
॥ਬਰ, ਸਮਾਚਾਰ	संदेशा
ਲਗਾਤਾਰ	निरंतर

पंजाबी	हिंदी
ਪਿੱਛੇ	पीछे
ਸਦਾ	हमेशा
ਬੜਾਈ	कीर्ति
ੋਭਾ	शान
ਚਹੁੰ ਪਾਸੇ	चहुँ ओर
ਨਾਸਮਝ	नादान
ਹੱਥ	हाथ
ਮੂਰਖ	मूर्ख
ਨਿਰੋਗ	स्वस्थ
ਸਮਾਂ	समय
ਮੂੰਹ	मुख
ਟਮੀਰ	अमीर
ਜਿਊਜ਼ਦਾ	जीवित
ਵਅਕਤੀ	व्यक्ति
ਭਰੀਖਿਆ	परीक्षा
ਤਰਲੇ ਪਾਉਣਾ	गुहार लगाना
ਪੱਕਾ ਇਰਾਦਾ	दृढ़ निश्चय
ਜੇਲ੍ਹ	कारावास
ਤਰਲੇ ਪਾਉਣਾ	गुहार लगाना
ਪੱਕਾ ਇਰਾਦਾ	दृढ़ निश्चय
ਹਾਲਾਤਾਂ	परिस्थितियाँ
ਧੰਨ ਦੀ ਕਮੀ	आर्थिक तंगी
ਧਰਤੀ	धरा
ਕੁਦਰਤ	प्रकृति
ਝੂਲਾ	झूला
ਵਿਹੜਾ	आँगन
ਹਲਵਾਈ	हलवाई
ਦਾਖਲ	प्रवेश
ਮਿਹਨਤ	मेहनत
ਗਰਮੀ	गर्मी
ਪੰਜ	पाँच
ਪਿਆਰ	प्यार
ਕਸਰਤ	व्यायाम
ਪੈਟਰੋਲ	पैट्रोल
ਪੂਰਵ	पूर्व
ਬੁਝਾਰਤ	पहेली
ਨਾਲ ਚੱਲਣ ਵਾਲੇ	हमसफर
ਵੱਡੇਬੁਢੇ	बुजुर्ग
ਅਸਲ ਵਿੱਚ	दरअसल
ਧੁਨੀ ਪ੍ਰਦੂਣ	ध्वनि प्रदूषण
ਸੂਰਜ	सूरज
ਸਵੇਰੇ	सवेरे
ਸੰਕਟ	संकट
ਦਿਾ	दिशा
ਗਰਮੀ	गर्मी
ਪੱਛਮ	पश्चिम
ਇਨਸਾਨ	इंसान

ਸਿੱਖਿਆ	शिक्षा		ਸੂਰਜੀ ਊਰਜਾ	सौर ऊर्जा
ਸੰਝ, ਾਮ	संध्या		ਉਜਾਲਾ, ਰੋਂਨੀ	उजियारा
ਦੁਪਹਿਰ	दोपहर		ਅਚਾਨਕ	सहसा
ਨਿਆਂ	न्याय		ਦੁਬਾਰਾ	पुनः
ਮੁਖੀਆ	मुखिया		ਗੁਲਾਲ	अबीर
ਮੰਨ ਗਏ	सहमत हो गए		ਗਵਾਲਾ, ਦੋਧੀ	ग्वाला
ਲਕੜੀਆਂ	लकड़ियाँ		ਗੰਗਾ੍ਯਮੁਨਾ	गंगा–यमुना
ਜੁਰਮਾਨਾ	जुर्माना		ਕੋਈ	कोई
ਇਕੱਠਾ	इकट्ठा		ਸਹਿਮਤ	सहमत
ਵਿਜੀ ਦਾ ਮੰਦਰ	शिवालय		ਪਹਿਲਾਂ	पूर्व
ਜਾਣਕਾਰੀ	ज्ञान		ਇੱਕਠੇ	एकत्र
ਪਿਛਲੇ ਪਾਸੇ	पिछवाड़े		ਬੁਰੇ ਕੰਮ ਦਾ ਪਛਤਾਵਾ	प्रायश्चित
ਰੰਗ ਨਾਲ ਹੋਲੀ ਖੇਡਣ ਦਾ ਦਿਨ	रंग पंचमी		ਸਾਹ	साँस
ਮੰਨ ਲੈਣਾ	शिरोधार्य करना		ਕਿਨਾਰਾ	छोर
ਘੰਟੀ	घंटी		ਕਬੱਡੀ	कबड्डी
ਦਰਕ	दर्शक		ਖਿਡਾਰੀ	खिलाड़ी
ਬਾਕੀ	शेष		ਟੀਮ	टीम
ਕਪਤਾਨ	कप्तान		ਅਗੁਵਾਈ	नेतृत्व
ਫੁਰਤੀ	फुर्ती		ਯਤਨ, ਕੋਿ	प्रयास
ਝੰਡਾ	झण्डा		ਅੱਧਾ ਸਮਾਂ	मध्यांतर
ਸਕੂਲ	विद्यालय		ਮੱਛੀ	मछली
ਖਿਡਾਰੀਆਂ	खिलाड़ियों		ਜੇਤੂ	विजयी
ਅੰਡੇ	अंडे		ਸੰਸਾਰ	संसार
ਖੰਭ	पंख		ਕਲ	आकार
ਕੋਮਲ	सुकुमार		ਟਹਿਣੀਆਂ	शाखाएं
ਤੀਲੇ	तिनके		ਦੁਨੀਆ	संसार
ਘਰ	घर		ਆਲ੍ਹਣਾ	घोंसला
ਖਿੰਡੇਰ	पसार		ਇਰਾਦਾ	संकल्प
ਸੜਕ	सड़क		ਰੌਲਾ	शोर
ਮੁੱਠੀ	मुट्ठी		ਕਣ	कण
ਪ੍ਰੀਖਿਆ	परीक्षा		ਹਿਰ	शहर
ਬੇਨਤੀ	विनती		ਅਸਤਬਲ	अस्तबल
ਘੋੜਾ	घोड़ा		ਬਜਾਰ	बाज़ार
ਪਿੱਠ	पीठ		ਮੁਕਦੱਮੇ	मुकद्दमे
ਖੁ	प्रसन्न		॥ਤਮ	समाप्त
ਇਨਸਾਫ, ਨਿਆਂ	न्याय		ਸਗ਼ਾ	दंड
ਨਕਲੀ ਰੂਪ, ਭੇ॥	भेष		ਮੰਦਰ	मंदिर
ਝੀਲ	झील		ਝਰਨਾ	झरना
ਪਹਾੜੀ	पहाड़ी		ਕੁਦਰਤੀ	प्राकृतिक
ਛਾਂ ਦੇਣ ਵਾਲਾ	छायादार		ਪਿੰਡ	ग्राम
ਮਨਾਹੀ	वर्जित		ਸੁਆਗਤ	स्वागत
ਸੂਰਜ ਦਾ ਛਿਪਣਾ	सूर्यास्त		ਅਲੌਕਿਕ ਕਤੀ	दिव्य शक्ति
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	चंडीगढ़		ਅਤਿ ਸੁੰਦਰ	सुरम्य
ਪੁੱਲ	पुल		ਤਬਦੀਲ	परिणत
ਤੀਰਥ੍ਸਥਾਨ	तीर्थ स्थान		ਧਰਤੀ	पृथ्वी
ਰੁੱਖ, ਪੇੜ	वृक्ष		ਇਤਿਹਾਸ	इतिहास
ਸਥਾਨ	धाम		ਘਾਟੀ	घाटी
ਲੋਕ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਕਹਾਣੀ	दंत कथा		ਜ਼ਿੰਦਗੀ	जीवन
ਫੇਰੀ ਲਗਾਉਣਾ	परिक्रमा		ਹੀਦ	शहीद
ਬੰਦੂਕਾਂ	बन्दूकें		ਬਾਰਡਰ, ਹੱਦ	सीमा
ਪੱਥਰ	पत्थर		ਕ੍ਰਾਂਤੀਕਾਰੀ	क्राँतिकारी
ਤੋਪਾਂ	तोपें		ਸਮਾਰਕ	स्मारक

ਹਥਿਆਰ	हथियार		ਪੁਲਿਸ	पुलिस
ਗੋਲਾ	गोला		ਸਧਾਰਨ	साधारण
ਵਾਰ ਦੇਣਾ	न्योछावर		ਤੁਰੰਤ	आनन फानन
ਬਹਾਦੁਰੀ	बहादुरी		ਉਮਰ	उमर
ਨਿ਼ਾਨੀ	निशानी		ਇਲਾਕਾ	इलाका
ਅਜ਼ਾਦੀ	आजादी		ਕੁਰਬਾਨੀ	बलिदान
ਜਾਤੀ	जाति		ਡਿਪਟੀ ਕਮਿ਼ਨਰ	ज़िलाधीश
ਪ੍ਰੇਰਣਾ	प्रेरणा		ਲੜਾਈ ਦਾ ਬਿਗਲ	मारू बिगुल
ਓਝਲ	ओझल		ਵਾਛੜ	बौछार
ਵਿਰੁਧ	खिलाफ		ਕੜਾਹ	कडाह
਼ਰਧਾ	श्रद्धा		ਸਾਹਿਤ	साहित्य
ਫੈਸਲਾ	फैसला		ਵੰਡ	वितरण
ਮੁਫ਼ਤ	निःशुल्क		਼ਾਮ	शाम
਼ਾਂਤੀ	शांति		ਅਨੰਦ	आनन्द
ਗੁਰਦੁਆਰੇ	गुरुद्वारे		ਪਟਾਕੇ	पटाखे
ਸਿੱਖ	सिक्ख		ਉਡੀਕ	इंतज़ार
ਪ੍ਰਭਾਤਫੇਰੀ	प्रभातफेरी		ਹੌਂਸਲਾ	उत्साह
ਸਜਾਵਟ	सजावट		ਮੌਕਾ	अवसर
ਤਿਆਰੀਆਂ	तैयारियां		ਖੂਬਸੂਰਤ	आकर्षक
ਧਿਆਨ	ध्यान		ਚਾਅ	चाव
ਨਗਰ ਕੀਰਤਨ	नगरकीर्तन		ਇੰਤਜ਼ਾਮ	प्रबन्ध
ਗਤਕਾ	गतका		ਸੰਪੂਰਨ	सम्पन्न
ਰੱਬੀ ਬਾਣੀ	अलौकिक वाणी		ਇੱਕਦਮ	बरबस
ਅਪਾਰ	अपरम्पार		ਨਿਡਰ	निर्भय
ਉਤਸਾਹ	प्रेरणा		ਮਿਹਨਤ	परिश्रम
ਅਟੁੱਟ	अथक		ਜਿੱਤ	विजयश्री
ਕਾਇਆ	काया		ਸਭ ਕੁਝ	सर्वस्व
ਮਾਇਆ	माया		ਨਸਲ	नस्ल
ਕੀੜੀ	चींटी		ਈ਼ਵਰ	ईश्वर
ਲੀਨ	तन्मय		ਸਵੀਕਾਰ	स्वीकार
ਕਤੂਰਾ	पिल्ला		ਦੁਕਾਨ	दुकान
ਕਾਬਲ	सक्षम		ਸਿਹਤ	सेहत
ਡਾਲਰ ਦਾ ਸੌਵਾਂ ਭਾਗ	सैंट		ਕੇਂਦਰ	केंद्र
ਅੰਗਹੀਣ	अपाहिज		ਬੋਰਡ	बोर्ड
ਬੱਚਾ	बच्चा		ਪੰਜ੍ਹਛੇ	पाँच–छह
ਸਮਾਂ	समय		ਉਤਾਵਲਾ	उत्सुक
ਸੱਚਾ	सच्चा		ਰਸੋਈ	रसोई
ਮੁੱਲ	कीमत		ਦਵਾਈਆਂ	दवाइयां
ਗੁਫਾ	मांद		ਸੁਆਦਲਾ	स्वादिष्ट
ਪਚਣ ਯੋਗ	सुपाच्य		ਸਬਜ਼ੀਆਂ	सब्जियाँ
ਮ਼ਹੂਰ	लोकप्रिय		ਰੱਸੀ	रस्सी
ਪ੍ਰੋਟੀਨ	प्रोटीन		ਪਿਆਰਾ	प्यारा
ਸੰਜਮ	संयम		ਗੱਤੇ	गत्ते
ਵਿਟਾਮਿਨ	विटामिन		ਭੋਜਨ	आहार
ਸਜਾਵਟ	सजावट		਼ੱਕਰ ਰੋਗ	मधुमेह
ਗੁੱਸਾ	गुस्सा		ਖੂਨ	रक्त
ਬਾਅਦ	बाद		ਹੰਝੂ	आँसू
ਮਿੱਠਾ	मीठा		ਇੱਛੁਕ	लालाइत
ਖ!ਟੀ	खट्टी		ਕੌੜਾ	कड़वा
ਉਲਟੀਆਂ	उल्टियाँ		ਖਰੀਦਦਾਰ	ग्राहक
ਲੜਕੀਆਂ	लड़कियाँ		ਬਦਬੂ	दुर्गन्ध
ਡਕਾਰ	डकार		ਸਰਘੀ ਵੇਲਾ	सुबह

ਟਾਹਲੀ	शीशम		ਰਹੱਸ, ਭੇਤ	राज़
ਅੰਬ	आम		ਦੁਨੀਆ	दुनिया
ਹਰਿਆਲੀ	हरियाली		ਵੱਟਾਂ	मेंड
ਮਹੱਤਵ	महत्व		ਜਵਾਨੀ	यौवन
ਖੁਸ਼ਬੂ	सुगन्ध		ਕਾਰਟੂਨ	कार्टून
ਮਨੁੱਖ	मानव		ਸੰਪਾਦਕ	संपादक
ਜਾਣਕਾਰੀ, ਗਿਆਨ	बोध		ਅਖਬਾਰ	अख़बार
ਪੱਕਾ	कायम		ਛਾਪਣਾ	प्रकाशन
ਪਰਮਾਤਮਾ	ईश्वर		॥.ਗ਼ਾਨਾ	भंडार
ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾ	प्रतियोगिता		ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ	सामान्य ज्ञान
ਇਨਾਮ	पुरस्कार		ਪ੍ਰੇਰਣਾ	प्रेरणा
ਰਸਤਾ	राह		ਤਕਨੀਕ	तकनीक
ਅਜਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ	स्वतंत्रता संग्राम		ਖੋਹਣਾ	छीना–झपटी
ਚਿੱਟਾ ਤੇ ਕਾਲਾ ਰੰਗ	श्वेत और श्याम		ਅਖਬਾਰ ਘਰ ਤੱਕ ਲਿਆਉਣ ਵਾਲੇ	हॉकर
ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਣ ਵਾਲੇ	सहयोगी			

विद्यार्थियों के लिए अभ्यास

1. सही मिलान करो

ਰੁੱਖ	दुःख
ਮਨੁੱਖ	विद्यालय
ਦੁੱਖ	मंदिर
ਮੁੱਖ	पेड़
ਸਕੂਲ	मानव
ਮੰਦਰ	मुँह

2. 'पाक्मावी' के लिए हिंदी में 'बोध' शब्द का प्रयोग किया जाता है। (सही / गलत)
3. 'राइोंझ' के लिए हिंदी में 'हालत' शब्द का प्रयोग किया जाता है। (सही / गलत)
4. 'रिठे' के लिए हिंदी में 'श्रम' शब्द का प्रयोग किया जाता है। (सही / गलत)
5. 'रूेठ' के लिए हिंदी में 'वेतन' शब्द का प्रयोग किया जाता है। (सही / गलत)

संज्ञा

परिभाषा–जिस शब्द के द्वारा किसी व्यक्ति,वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते हैं।जैसे– राम, पुस्तक, दिल्ली, वीरता आदि।

संज्ञा के भेदः–संज्ञा के तीन भेद होते है

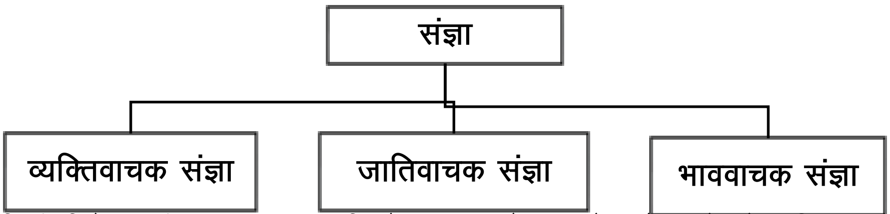

1.व्यक्तिवाचक संज्ञा– किसी विशेष प्राणी, वस्तु, स्थान आदि के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–विवेक, कबीर, मेघालय, हिमालय इत्यादि।

2.जातिवाचक संज्ञा– जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु, स्थान आदि की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे–बेटा, मित्र, पशु, छात्र इत्यादि।

3.भाववाचक संज्ञा– किसी गुण, दोष, अवस्था, मन के भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे–ईमानदारी, सच्चाई, मित्रता, प्रशंसा आदि।

अभ्यास–1

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद का नाम लिखिए–

वाक्य	संज्ञा का भेद
1. राहुल ने बहुत सोचा।	व्यक्तिवाचक संज्ञा

2. हम प्रतिदिन स्कूल जाते हैं। जातिवाचक संज्ञा
3. उनका जन्म बनारस में हुआ। व्यक्तिवाचक संज्ञा
4. वह सदा सच बोलता है। भाववाचक संज्ञा
5. शंकर आनंद से रहने लगा। व्यक्तिवाचक संज्ञा
6. गर्मी का मौसम था। भाववाचक संज्ञा
7. मैं कपूरथला का निवासी हूँ। व्यक्तिवाचक संज्ञा
8. दुकानदार उसकी ईमानदारी पर खुश था। भाववाचक संज्ञा
9. गोपू नगर की ओर गया था। जातिवाचक संज्ञा
10. लाल बहादुर शास्त्री एक महान नेता थे। व्यक्तिवाचक संज्ञा

अभ्यास–2

निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द रेखांकित करें और उनके भेदों के नाम लिखें–

वाक्य	संज्ञा शब्द	संज्ञा का भेद
1. उसका नाम शंकर था।	....	....
2. मेहनत करना उसका स्वभाव था।	....	....
3. आज मुझे थकावट हो रही है।	....	....
4. मेरा स्कूल पास ही है।	....	....
5. बचपन में हम बहुत खेलते थे।	....	....
6. कल मेरा मन उदास था।	....	....
7. हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए।	....	....
8. राहुल ग़रीब आदमी था।	....	....
9. मेरे पास एक साइकिल है।	....	....
10. वे गंगा पार पढ़ने जाते थे।	....	....

सर्वनाम

परिभाषा–संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।जैसेः–मैं, हम, तुम, आप, यह, वह, कोई, कुछ, क्या, कौन, जो, सो आदि सर्वनाम शब्द हैं।

सर्वनाम के भेद–(सर्वनाम के छः भेद होते हैं।)

(क) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम चुनिए –

1. मैं कल शहर गया हुआ था।
2. एक दिन वह घर पर नहीं था।
3. यह मेरी कुटिया है।
4. किसी ने मेरे उपले उठा लिए।
5. जैसी करनी वैसी भरनी।
6. वह स्वयं बाज़ार गया।
7. बाहर कौन आया है?
8. असलम ने उसे दबोच लिया।
9. यह उसकी पुस्तक है।
10. किसने चोर को पकड़ा था?

विद्यार्थियों के लिए अभ्यास कार्य

(ख) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

वह भी बाहर बैठ गया। (सर्वनाम शब्द चुनें)
राम तुम्हारा मित्र है। (सर्वनाम शब्द चुनें)
दूध में कुछ गिर गया है। (सर्वनाम शब्द चुनें)
कौन गा रहा है? (सर्वनाम शब्द चुनें)
मैं छठी कक्षा का छात्र हूँ। (सर्वनाम शब्द चुनें)
हम शाम को खेलते हैं। (सर्वनाम शब्द चुनें)

क्रिया

'क्रिया' का अर्थ होता है–कार्य का होना या करना। प्रत्येक वाक्य क्रिया से पूरा होता है। क्रिया को करने वाला 'कर्ता' कहलाता है।

परिभाषा–जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।

(क) निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्द को रेखांकित करेंः–

1. राजा ने शोर मचा दिया।

2. राजा ने उसे घोड़े पर बिठा लिया।
3. राजा ने उसकी विनती मान ली।
4. ठग ने झगड़ा कर दिया।
5. राजा ने घोड़े को पहले ही अस्तबल में बाँध दिया था।
6. घोड़ा हिनहिनाया।
7. उसने स्याही की दवात लाकर दी।

(ख) दिये गये क्रिया शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करो।

1. गया : वह आज स्कूल नहीं गया।
2. लूँगा : आज मैं अपने लिए एक नया पैन लूँगा।
3. आई : आज सीमा हमारे घर आई थी।
4. डाला : उसने कचरा कूड़ेदान में नहीं डाला।
5. कहा : तुमने उससे क्या कहा है?
6. दूँगा : मैं तुम्हें तुम्हारे जन्मदिन पर एक सुंदर भेंट दूँगा।
7. बजाई : चपड़ासी ने घंटी बजाई।

विद्यार्थियों के लिए अभ्यास कार्य

(क) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़ें और बताएँ क्रिया शब्द कौन सा है।

1. लड़की गा रही थी। (............................)
2. सूर्य उदय हो रहा है। (............................)
3. उन्होंने हॉकी का मैच जीत लिया। (............................)
4. दर्जी कपड़े सिल रहा है। (............................)
5. सुमित खेल रहा है। (............................)

कारक

परिभाषा—संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया तथा वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संबंध ज्ञात हो, उसे कारक कहते हैं।

कारक के भेद—कारक के आठ भेद होते हैं।

कारक के भेद	विभक्ति चिह्न
कर्ता कारक	ने
कर्म कारक	को
करण कारक	से, के द्वारा
संप्रदान कारक	को, के लिए, हेतु
अपादान कारक	से (अलग होना)
सम्बन्ध कारक	का,के,की, रा, रे, री,ना, ने, नी
अधिकरण कारक	में,पर
संबोधन कारक	हे!,अरे!, रे!, ओ!

(क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित कारक का नाम बतायें।

1. ठग ने झगड़ा किया। (कर्ता कारक)
2. राजा सुन रहा था। (कर्ता कारक)
3. लोगों ने घोड़े को रोक लिया। (कर्म कारक)
4. किसान को पचास चाबुक लगाने का दंड दिया। (कर्म कारक)
5. राजा ने कलम से लिखा। (करण कारक)
6. किसान को चाबुक से मारा। (करण कारक)
7. नौकर राजा के लिए दवात लाया। (सम्प्रदान कारक)
8. वह राजा के लिए ढेर सारे उपहार लाया। (सम्प्रदान कारक)
9. झरनों से पानी गिर रहा था। (अपादान कारक)
10. क्षितिज अपने माता—पिता के साथ चंडीगढ़ से चल पड़ा। (अपादान कारक)
11. रेणुका जी परशुराम जी की माता थीं। (सम्बन्ध कारक)
12. यह मेला रेणुका झील के किनारे आयोजित होता है। (सम्बन्ध कारक)
13. हमने कमरों में सामान रख दिया। (अधिकरण कारक)
14. बन्दर वृक्षों पर कूदते नज़र आ रहे थे। (अधिकरण कारक)
15. हे ईश्वर ! मेरी रक्षा करो। (सम्बोधन कारक)
16. अरे बच्चो! तुम क्या कर रहे हो? (सम्बोधन कारक)

(घ) निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित परसर्ग (कारक चिह्न) भरिए तथा कारक का नाम भी लिखिए—

1. उसे बुआ जी........................यह सूचना दी। (..)
2. धीरे—धीरे चिड़िया ....बच्चे उड़ने लगे। (..)

3. कक्षा..................भूचाल आ गया। (..)
4. सब अपने–अपने घर..................बातें करने लगे। (..)
5. पिताजी कलम........................लिखते हैं। (..)

वचन

परिभाषाः– शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे 'वचन' कहते हैं।
वचन के भेद – वचन दो प्रकार के होते हैं।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
कदम	कदमों	घर	घरों
प्राण	प्राणों	दुःखी	दुखियों
भाई	भाइयों	खिलाड़ी	खिलाड़ियों
साथी	साथियो	विद्यार्थी	विद्यार्थियों
विरोधी	विरोधियों	रेफरी	रेफरियों
वर्दी	वर्दियों	नियम	नियमों
अध्यापाक	अध्यापकों	साँस	साँसों
कप्तान	कप्तानों	खेल	खेलों
मैच	मैचों	महिला	महिलाओं
युवा	युवाओं	कविता	कविताओं
प्रतियोगिता	प्रतियोगिताओं	अख़बार	अख़बारों
दुश्मन	दुश्मनों	तोप	तोपें
बंदूक	बंदूकें	हथियार	हथियारों
पत्थर	पत्थरों	शहीद	शहीदों
पुस्तक	पुस्तकों	पत्र	पत्रों
हॉकर	हॉकरों		

विद्यार्थियों के लिए अभ्यासकार्य

1. मिलान करें–

रात	कदमों
घोड़ा	रातें
कदम	घोड़े

2. 'नारी' का बहुवचन..................होगा।
3. 'पाठशाला' का बहुवचन 'स्कूल' होगा। (सही / गलत)
4. 'शिक्षक' का बहुवचन 'शिक्षकगण' होगा। (सही / गलत)
5. यदि 'रात' का बहुवचन 'रातें' है, तो 'बात' का बहुवचन.........................होगा।
6. 'गुरु' का बहुवचन..................................होगा। (गुरुजन / शिक्षक)

लिंग

परिभाषा– शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति अथवा स्त्री जाति का बोध हो, उसे 'लिंग' कहते हैं।
लिंग के भेद–हिंदी भाषा में लिंग के दो भेद होते हैं।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पिता	माता	अध्यापक	अध्यापिका
पुत्र	पुत्री	भाई	बहन
बाबू	बबुआइन	शिक्षक	शिक्षिका
बालक	बालिका	लड़का	लड़की
कुमार	कुमारी	युवक	युवती
राजा	रानी	बंदर	बंदरिया
शेर	शेरनी		

अभ्यास कार्य

1. 'बूढ़ा' का स्त्रीलिंग........................होगा।
2. 'दास' का स्त्रीलिंग 'दासी' होगा। (सही / ग़लत)
3. 'बकरा' का स्त्रीलिंग.....................होगा।
4. 'शेर' का स्त्रीलिंग..........................होगा।

8. उचित मिलान करें–

अध्यापक बिटिया

माली अध्यापिका
बेटा मालिन
9. शिष्य का स्त्रीलिंग शिष्या होगा। (सही / ग़लत)

विपरीतार्थक / विलोम शब्द

परिभाषा—अर्थ की दृष्टि से एक—दूसरे के विरोधी शब्द विलोम शब्द अथवा विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।

शब्द	**विलोम शब्द**	**शब्द**	**विलोम शब्द**
गरीब	अमीर	जीवन	मृत्यु
पास	दूर	स्वस्थ	रोगी
बुद्धिमान	मूर्ख	सुखी	दुखी
साधारण	विशेष	बीमार	तंदरुस्त
सम्मान	अपमान	परिश्रम	आलस्य
साहसी	कायर	गौरव	लाघव
आग्रह	दुराग्रह	जन्म	मरण
गुण	अवगुण	प्रवेश	प्रस्थान
प्रसन्न	उदास	पहले	पश्चात
सुख	दुःख	सच	झूठ
एक	अनेक	गाँव	शहर
शब्द	**विलोम शब्द**	**शब्द**	**विलोम शब्द**
पढ़े—लिखे	अनपढ़	अगला	पिछला
रुकना	चलना	सभ्य	असभ्य
बूढ़ा	नौजवान	बच्चे	बूढ़े
आगे	पीछे	सूखे	गीले
सुकुमार	कठोर	पहले	बाद में
हरी—भरी	सूखी	बड़ा	छोटा
भीतर	बाहर	आरम्भ	अंत
शान्ति	युद्ध	अधूरी	पूरी
शाप	वरदान		

विपरीतार्थक शब्द (विद्यार्थियों के अभ्यास के लिए)

1. मिलान करें—

प्रेम अवगुण
पाप घृणा
गुण पुण्य

2. 'सुपुत्र' का विपरीतार्थक शब्द................. होगा। (कुपुत्र / अच्छा पुत्र)
3. 'स्वदेश' का विपरीतार्थक शब्द...................... होगा। (विदेश / देश)
4. 'सुखी' का विपरीतार्थक शब्द 'दुःखी' होगा। (ठीक / ग़लत)
5. विपरीत शब्द लिखो :

अच्छा	....	अमीर	....
एक	....	मृत्यु	....
गुण	....	छाँव	....

पर्यायवाची शब्द

परिभाषा— जो शब्द एक जैसे अर्थ बताते हैं, उन्हें पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं।

शब्द	**पर्यायवाची शब्द**	**शब्द**	**पर्यायवाची शब्द**
माता	माँ, जननी, अम्मा	पिता	बाप, जनक, बापू
भाई	भ्राता, सहोदर, भैया	सखा	मित्र, बन्धु, दोस्त
दुःख	कष्ट, क्लेश, पीड़ा	गुरू	शिक्षक, अध्यापक, मार्गदर्शक
प्रभु	परमात्मा, ईश्वर, ईश	मेघ	बादल, जलद, वारिद
नभ	गगन, आकाश, आसमान	किरण	मयूख, रश्मि, कर
सूरज	सूर्य, भास्कर, दिनकर	सुबह	प्रातः, प्रातःकाल, सवेरा
संध्या	सांयकाल, सांझ, गोधूलि	संदेशा	खबर, समाचार, सूचना

घर	गृह, आलय	संसार	जग, जगत
घोंसला	नीड़, घरौंदा	सुकुमार	कोमल, मृदु
शाखा	टहनी, डाली	आसमान	नभ, गगन
राजा	नृप, नरेश	ठग	राहज़न, बटमार
घोड़ा	अश्व, तुरंग	किसान	कृषक, काश्तकार
झगड़ा	क्लेश, कलह	दूध	दुग्ध, पय
पानी	जल, नीर	संकल्प	इरादा, प्रतिज्ञा
दवात	स्याहीदान, मसिपात्र	दंड	सज़ा, सबक
रात	रजनी, निशा	वर्षा	बारिश, बरसात
हवा	वायु, पवन	पेड़	वृक्ष, तरू
फूल	पुष्प, सुमन	समुद्र	सागर, सिंधु
बादल	मेघ, जलद	सक्षम	क्षमताशाली, समर्थ
कुत्ता	श्वान, सारमेय	कीमत	भाव, मूल्य
उत्तर	जवाब, हल	माँद	गुफा, कंदरा
परेशान	व्याकुल, हैरान		

विद्यार्थियों के लिए अभ्यासकार्य

1. 'पानी' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखो।
2. 'माता' के पर्यायवाची शब्द..........................और.............................हैं।
3. जलद, नीरद ये दोनों शब्द...............................के पर्यायवाची शब्द हैं।
4. फूल को............................भी कहा जाता है।
5. प्रभु को परमात्मा भी कहते हैं। (सही/ग़लत)
6. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखो –

युवक, बादल, जल, कुत्ता, किरण

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

परिभाषा–कई संबंधित शब्दों या वाक्यांशों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले एक शब्द 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहलाते हैं।

अनेक शब्द/वाक्यांश	**एक शब्द**
घोड़े पर सवार	घुड़सवार
खेतीबाड़ी करने वाला	किसान
उचित – अनुचित का विवेक	न्याय
जो बोल न सकता हो	गूँगा
जो सुन न सकता हो	बहरा
पड़ोस में रहने वाला	पड़ोसी
घरेलू काम काज करने वाला	नौकर
जहाँ घोड़े बाँधे जाते हैं	अस्तबल, तबेला
. ठगी करने वाला	ठग
. तेल का व्यापार करने वाला	तेली
सरलता से पचने वाला	सुपाच्य
लाभ पहुँचाने वाला	लाभकारी, लाभदायक
जनसाधारण को पसंद करने वाला	लोकप्रिय
. बहुत स्वाद वाला	स्वादिष्ट
पुष्ट करने वाला	पौष्टिक

'र' के विभिन्न रूप

'र' एक व्यंजन वर्ण है। हिंदी भाषा में 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग होता है। कहीं पर 'र' का प्रयोग स्वर रहित होता है तो कहीं पर स्वर सहित।

'र' के विभिन्न रूपः–र, रा, रु, रू, र्, क्र, ट्र, ह्र

हिन्दी भाषा में 'र' तीन रूपों में प्रयोग होता है : सामान्य 'र', पदेन 'र', रेफ़ 'र'।

इनमें सामान्य 'र' तो पूरा होता ही है, पदेन 'र' भी पूरा होता है। पदेन 'र' जिस वर्ण के पैर में गिरता है उसको आधा कर देता है। रेफ़ 'र' आधा 'र' होता है।

नीचे दिए गए शब्दों को ध्यान से पढ़िए और उनमें दिए गए 'र' का सही रूप लिखिए और बतायें कि 'र' आधा है यां पूरा :–

शब्द	**'र' का रूप**	**आधा/पूरा**
ड्राइवर	पदेन 'र'	पूरा
कर्म	रेफ़ 'र'	आधा
रूखा	सामान्य 'र'	पूरा
प्रश्न	पदेन 'र'	पूरा
धर्म	रेफ़ 'र'	आधा
कमर	सामान्य 'र'	पूरा
राष्ट्र	पदेन 'र'	पूरा
क्रम	पदेन 'र'	पूरा
खर्चा	रेफ़ 'र'	आधा
अधर	सामान्य 'र'	पूरा
पैट्रोल	पदेन 'र'	पूरा

<u>विद्यार्थियों के लिए अभ्यास कार्य</u>

क. 'कार्टून' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)
ख. 'प्रेरणा' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)
ग. 'द्रव्य' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)
घ. 'ट्रेन' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)
ड. 'पर्यावरण' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)

नये शब्दों का निर्माण

सर्द + ई	=	सर्दी	प्रधान + मंत्री	=	प्रधानमंत्री
चिर + निद्रा	=	चिरनिद्रा	अन्न +दाता	=	अन्नदाता
सह + पाठी	=	सहपाठी	राष्ट्र +प्रेम	=	राष्ट्रप्रेम
आत्म + घातक	=	आत्मघातक	घबराना + आहट	=	घबराहट
चिकना + आहट	=	चिकनाहट	कड़वा + आहट	=	कड़वाहट
मुस्कुराना + आहट	=	मुस्कुराहट	चतुर + ता	=	चतुरता
सफल + ता	=	सफलता	मित्र + ता	=	मित्रता
सज्जन + ता	=	सज्जनता	विजय + ई	=	विजयी
लालच + ई	=	लालची	गर्म + ई	=	गर्मी
निः + शुल्क	=	निःशुल्क	निः + संदेह	=	निःसंदेह
सु + व्यवस्थित	=	सुव्यवस्थित	प्र + दर्शनी	=	प्रदर्शनी
गुरु + पर्व	=	गुरुपर्व	गुरु + द्वारा	=	गुरुद्वारा
गुरु + चरण	=	गुरुचरण	गुरु + ग्रंथ साहिब	=	गुरुग्रंथ साहिब
गुरु + दर्शन	=	गुरुदर्शन	गुरु + सेवक	=	गुरुसेवक

मुहावरे

'मुहावरा' शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है– अभ्यास। हिंदी भाषा में मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुंदर, प्रभावशाली, संक्षिप्त तथा सरस बनाने के लिए किया जाता है। यह वाक्यांश होते हैं। इनका प्रयोग करते समय इनका शाब्दिक अर्थ न लेकर विशेष अर्थ लिया जाता है। इनके विशेष अर्थ कभी नहीं बदलते। यह लिंग, वचन और क्रिया के अनुसार वाक्यों में प्रयुक्त होते हैं।

परिभाषा–जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ को प्रकट करता है, वह 'मुहावरा' कहलाता है।

उदाहरण–

मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग करो।

1. स्वर्ग सिधारना– (मर जाना)
   मोहन के दादा जी कल स्वर्ग सिधार गए।
2. गुदड़ी का लाल–(गरीब परिवार का अत्यंत गुणी व्यक्ति)
   लाल बहादुर शास्त्री वास्तव में गुदड़ी के लाल थे।
3. जिगर का टुकड़ा– (बहुत प्यारा)

हर बच्चा अपने माता– पिता के जिगर का टुकड़ा होता है।

4. जीवन लीला समाप्त होना–(मर जाना)
जानलेवा बीमारी के कारण उसकी जीवन लीला समाप्त हो गई।

5. भरे मन से विदा लेना–(दुखी मन से जाना)
शोक सभा में हम ने भरे मन से विदा ली और चल पड़े।

6. चिर निद्रा में सोना –(मृत्यु होना)
राम के दादा जी 90 वर्ष की आयु पूरी कर चिर निद्रा में सो गए।

7. मुँह के बल गिरना– (जोर से अचानक गिरना)
अचानक साइकिल को ब्रेक लगाने से राजू मुँह के बल गिर पड़ा।

8. अंधाधुंध चलाना–(बिना सोचे समझे चलाना)
हमें कोई भी वाहन अंधाधुंध नहीं चलाना चाहिए।

9. नानी याद आना –(कष्ट महसूस करना)
गर्मी में दूर तक पैदल चलने से रीता को उसकी नानी याद आ गई।

10. हवा से बातें करना–(बहुत तेज चलना)
गियर वाली साइकिल इतनी तेज चलती है मानो वह हवा से बातें कर रही हो।

11. मैदान साफ नजर आना–(कोई चीज बाकी ना बचना)
घर में किसी को ना देख कर चोर को मैदान साफ नजर आने लगा।

12. नयनों से गंगा यमुना– बहाना–(आँखों से खूब आँसू बहाना)
अपना भारी नुकसान देखकर अमन नयनों से गंगा– यमुना बहाने लगा।

13. दिमाग दौड़ना– (गहराई से सोचना)
मुश्किल सवाल को देखकर रमन अपना दिमाग दौड़ने लगा।

14. आँसुओं से हाथ भिगोना– (किसी को बिना कारण दुखी देखकर खुश होना)
अध्यापक ने बच्चों को समझाया कि हमें किसी के आँसुओं से हाथ नहीं भिगोने चाहिए।

15. जुट जाना –(पूरी तरह लग जाना)
परीक्षा पास आते ही सभी बच्चे पढ़ाई में जुट जाते हैं।

16. पसीना बहाना–(बहुत मेहनत करना)
गोपू अपने घर का गुजारा करने के लिए पसीना बहाता था।

17. चेहरा खिल उठाना–(बहुत खुश हो जाना) अपनी माँ को देखकर गीता का चेहरा खिल उठा।

18. हिरन की तरह चौकड़ी भरना–(खूब उछलते हुए आगे बढ़ना)
अब्दुल हिरन की तरह चौकड़ी भरते हुए वापस आ गया।

19. नौ दो ग्यारह होना–(जल्दी से भाग जाना)
पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

20. एड़ी–चोटी का जोर लगाना (बहुत कोशिश करना)
कमल को कक्षा में प्रथम आने के लिए एड़ी– चोटी का जोर लगाना पड़ा।

21. पलक झपकते ही (थोड़ी ही देर में)
पलक झपकते ही चोर पुलिस की नजरों से दूर हो गया।

22. जाल में फँसी मछली की तरह (मुसीबत में पड़ा आदमी)
दुर्घटना हो जाने के बाद राहुल जाल में फँसी मछली की तरह तड़पने लगा।

23. हाथ पाँव मारना–(बहुत कोशिश करना)
सोनू खुद को छुड़ाने के लिए हाथ पाँव मारने लगा।

24. प्रसन्नता की लहर दौड़ना–(बहुत खुश होना)
जीत की खुशी में सभी के चेहरों पर प्रसन्नता की लहर दौड़ गई ।

25. फूले न समाना–(बहुत खुश होना)
कक्षा में प्रथम आकर राम फूले नहीं समा रहा था।

26. प्राणों की बलि देना – (जान देना)
वीर सैनिक ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बलि दे दी।

27. आग लगना – (प्रेम होना)
मीरा जी के मन में श्री कृष्ण प्रेम की आग लगी थी।

28. ढेर करना – (मार गिराना)
हमारे सैनिकों ने दुश्मनों के चार सैनिक ढेर कर दिए।

29. रफूचक्कर होना – (गायब होना, खिसक जाना)
सिपाही को देखते ही चोर रफूचक्कर हो गया।

30. जीवन लीला समाप्त होना – (मर जाना)
गोली लगते ही कालीबाई की जीवन लीला समाप्त हो गई।

31. निछावर होना – (बलि जाना)

कालीबाई अपने देश पर निछावर हो गई।

32. कहानी खत्म होना – (मृत्यु हो जाना)
गोली लगते ही कालीबाई की कहानी खत्म हो गई।

33. एक न एक दिन – (कभी न कभी)
एक ता एक दिन मेरी फरियाद भी अवश्य सुनी जाएगी।

34. शेखी बघारना – (अपने मुँह अपनी बड़ाई करना)
शेखी बघारने वाले को कोई भी पसन्द नहीं करता।

35. नाक सिंकोड़ना – (घृणा प्रकट करना)
बच्चे घीये की सब्जी देखकर नाक सिंकोड़ने लगते हैं।

36. राग अलापना – (अपनी ही बात कहते रहना और दूसरों की न सुनना)
पिता जी के सामने मोहन अपना ही राग अलापने लगा।

38. एक न चलना – (कोई उपाय सफल न होना)
सेठ जी के सामने नौकर की एक न चली।

शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करो।

1. प्रेम– हमें सभी से प्रेम करना चाहिए।
2. आहें– हम गरीबों की आहें मिटाएंगे।
3. बुराई– हमें किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए।
4. शान –बच्चे देश की शान होते हैं।
5. खुशहाली–सभी घरों में खुशहाली होनी चाहिए।
6. रोमांचित – भारत और न्यूजीलैंड में हुए क्रिकेट मैच ने मुझे रोमांचित कर दिया।
7. उत्साह – खिलाड़ियों का उत्साह तो देखते ही बनता था।
8. अलौकिक – गुरुओं की अलौकिक वाणी हमें जीवन का मार्ग बताती है।
9. आनन्द विभोर – गुरुवाणी सुनकर सभी श्रद्धालु आनन्दविभोर हो उठे।
10. आकर्षक– गुरुद्वारे में की गई रोशनी बड़ी आकर्षक थी।
11. समिति – गुरुद्वारा समिति ने प्रभात फेरियों का आयोजन किया।
12. महिमा – ईश्वर की महिमा अपरम्पार है।
13. निर्भय – राम बहुत निर्भय है।
14. तन्मय – अपने काम में तन्मय हो जाओ।
15. अथक – विजयी होने के लिए हमें अथक मेहनत करनी होगी।
16. विजयश्री – विजयश्री हमारे कदम चूमेगी।
17. प्रेरणा – चींटी हमें मेहनत करने की प्रेरणा देती है।
18. सर्वस्व – मैं देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दूँगा।
19. पहिया – साइकिल का पहिया पंक्चर हो गया।
20. यातायात – – साइकिल यातायात का ए एक सस्ता साधन है।
21. उपलब्ध – साइकिल हर घर में उपलब्ध है।
22. शुद्ध – साइकिल वातावरण को भी शुद्ध करता है।
23. आकर्षक – बाजार में आजकल कई आकर्षक साइकिलें मिलती हैं।
24. पर्यावरण – इससे पर्यावरण के दूषित होने का भी कोई खतरा नहीं।
25. उत्पादन – किसान फसलों के उत्पादन में लगे हैं।

प्रार्थना पत्र

प्रार्थना पत्र–बीमारी के कारण अवकाश लेने के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखें–

सेवा में
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
..............................स्कूल,
..............................शहर।

श्रीमान जी,

निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में छठी कक्षा का छात्र हूँ। कल मुझे घर जाते ही बुखार हो गया, इसलिए मैं आज स्कूल में हाज़िर नहीं हो सकता हूँ। कृपा करके मुझे एक दिन की छुट्टी दे दीजिए। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद सहित।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम..
कक्षाः–छठी
रोल नंबर ....

दिनांक...................

प्रार्थना पत्र–ज़रूरी काम के कारण अवकाश लेने के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखें–

सेवा में
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
..............................स्कूल,
..............................शहर।
श्रीमान जी,
निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल में छठी कक्षा का छात्र हूँ। आज मुझे घर पर ज़रूरी काम है, इसलिए मैं स्कूल में हाज़िर नहीं हो सकता हूँ। कृपा करके मुझे एक दिन की छुट्टी दी जाए। आपकी अति कृपा होगी।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम.....................................
......
कक्षाः–छठी
दिनांक.................... रोल नंबर ....

प्रार्थना पत्र–मुख्याध्यापक को सैक्शन बदलने के लिए प्रार्थना पत्र–
सेवा में
श्रीमान मुख्याध्यापक जी,
..............................स्कूल,
.............................शहर।
श्रीमान जी,
निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल में छठी कक्षा सैक्शन (सी) का छात्र हूँ। मेरे गाँव के सब बच्चे पढ़ने में बहुत होशियार हैं और वे सब कक्षा छठी सैक्शन(ए) में पढ़ते हैं। मैं भी उनके साथ मिलकर पढ़ना चाहता हूँ। कृपया मेरा सैक्शन बदलकर छठी (ए) कर दीजिए। आपका बहुत आभार होगा।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम.....................................
कक्षाः–छठी
दिनांक.................... रोल नंबर ....
कृपया ध्यान दें –लड़कियाँ छात्रा, सकती हूँ, आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या लिखेंगी।

प्रार्थना पत्र–आप के मुख्याध्यापक ने आपको स्कूल के बगीचे से फूल तोड़ते हुए देख लिया है। इस ग़लती के लिए क्षमा याचना करते हुए प्रार्थना पत्र–
सेवा में
श्रीमान मुख्याध्यापक जी,
................................स्कूल,
.................................शहर।
श्रीमान जी,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल में छठी कक्षा का छात्र हूँ। कल मैंने अज्ञानतावश स्कूल के बगीचे से फूल तोड़ लिया था। आपने मुझे ऐसा करते हुए देख लिया था। मैं इस कार्य के लिए आपसे क्षमा माँगता हूँ। मैं आपसे वायदा करता हूँ कि भविष्य में ऐसी ग़लती दोबारा नहीं करूँगा। कृपा करके मुझे इस गलती के लिए क्षमा कर दीजिए।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम.....................................
कक्षाः–छठी
दिनांक.................... रोल नंबर ....

अपने स्कूल के मुख्याध्यापक को जुर्माना माफ़ी के लिए प्रार्थना पत्र लिखें–
सेवा में
श्रीमान मुख्याध्यापक जी,
.... स्कूल,
..................................शहर।
श्रीमान जी,
निवेदन है कि मैं आपके स्कूल में छठी कक्षा का छात्र हूँ। कल हमारे हिंदी के अध्यापक जी ने कक्षा में परीक्षा ली थी। परन्तु मैं परीक्षा नहीं दे सका। मैं कल स्कूल नहीं आ सका था क्योंकि मेरी दादी जी बीमार थी। मेरे माता–पिता जी मज़दूरी करते हैं इसलिए दादी जी की देखभाल के लिए मुझे घर पर रुकना पड़ा। परीक्षा न दे सकने के कारण मेरे

अध्यापक जी ने मुझे पचास रुपये जुर्माना कर दिया। मैं बहुत ग़रीब हूँ। मैं यह जुर्माना नहीं दे सकता। कृपा करके मेरा जुर्माना माफ़ कर दीजिए। आपका अति उपकार होगा।

धन्यवाद सहित।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम.....................................
कक्षाः–छठी
रोल नंबर ....

दिनांक....................

निबन्ध

मेरा परिचय

मेरा नाम राम है। मेरे पिताजी का नाम श्री................................है और मेरे माता जी का नाम श्रीमती...................है। मेरी उम्र 11 साल है। मैं छठी कक्षा में पढ़ता हूँ। मेरे स्कूल का नाम सरकारी मिडल स्कूल................................है, जो जिला .... में है। मैं कक्षा में ध्यान से पढ़ता हूँ, इसलिए सभी अध्यापक मुझसे बहुत प्रेम करते हैं। मैं सभी अध्यापकों की आज्ञा मानता हूँ। मैं रोज़ाना अपना गृह–कार्य पूरा करता हूँ। मैं स्कूल की फुटबॉल टीम का सदस्य भी हूँ। मैं सुबह सैर करके, नहा कर साफ़ वर्दी पहनकर स्कूल जाता हूँ। मुझे गाने का बहुत शौक है। मैं कक्षा में प्रथम आना चाहता हूँ इसलिए मैं बहुत मेहनत से पढ़ता हूँ। मेरा प्रिय रंग नीला है। मेरा मनपसंद फल आम है। मैं बड़ा होकर सैनिक बनना चाहता हूँ और अपने भारत देश की सेवा करना चाहता हूँ।

मेरा स्कूल

मेरे स्कूल का नाम....................... स्कूल......................है। यह मुख्य सड़क पर स्थित है। इसमें छठी कक्षा से लेकर .... कक्षा तक की पढ़ाई होती है। मेरे स्कूल में.................विद्यार्थी पढ़ते हैं। इसमें लगभग..........कमरे हैं। सभी कमरे खुले और हवादार हैं। हर कमरे में रोशनी का अच्छा प्रबंध है। स्कूल में अनेक प्रयोगशालाएँ हैं। स्कूल में छठी से आठवीं कक्षा के सभी छात्रों के लिए दोपहर के भोजन का प्रबंध है। स्कूल में एक खेल का मैदान तथा सुन्दर बगीचा है। मेरे स्कूल में. ....अध्यापक पढ़ाते हैं। सभी अध्यापक योग्य और मेहनती हैं। मेरा स्कूल पढ़ाई तथा खेलों में भी सबसे आगे है। इसका वार्षिक परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहता है। मुझे अपने स्कूल पर गर्व है।

मेरा गाँव

सारी दुनिया से न्यारा है, मेरा गाँव मुझे प्यारा है।

मेरा गाँव एक छोटा सा गाँव है,जो कि भारत देश के पंजाब राज्य के.......................ज़िले में स्थित है। मेरे गाँव का नाम...... ....है। मेरे गाँव की जनसंख्या 690 है। मेरे गाँव का मुख्य व्यवसाय खेती है। यहाँ चारों ओर लहलहाती फसलों का दृश्य नज़र आता है। मेरे गाँव में बहुत शांति है।यहाँ सुबह–सुबह पक्षियों का कलरव सुनाई देता है। कभी–कभी मोर भी दिखाई देते हैं। मेरे गाँव में सभी मिलजुल कर रहते हैं और अधिकतर यहाँ पर संयुक्त परिवार हैं। मेरे गाँव में दसवीं कक्षा तक एक सरकारी स्कूल भी है, जहाँ पर अध्यापक बहुत मेहनत से पढ़ाते हैं। गाँव में एक चिकित्सालय भी है,जहाँ बीमारों का इलाज किया जाता है। मेरे गाँव के लोगों में बहुत एकता है। सब मिलजुल कर रहते हैंऔर त्योहारों को धूमधाम से मनाते हैं। यहाँ बाज़ार न होने के कारण सब शहर से ही सामान खरीद कर लाते हैं। मैं चाहता हूँ कि बड़ा होकर मैं एक डॉक्टर बनूँ और अपने गाँव के लोगों की सेवा करूँ। मुझे अपने गाँव से प्यार है। ईश्वर से यही दुआ है कि मेरे गाँव में हमेशा खुशहाली रहे।

दशहरा

भारत त्योहारों का देश है। यहाँ अनेक त्योहार जैसे–होली, दीपावली, गुरुपर्व, ईद, रक्षाबंधन, क्रिसमस आदि मनाए जाते हैं। इन्हीं में से दशहरा भी एक त्योहार है, जो भगवान् राम की रावण पर विजय का प्रतीक है। भगवान् राम के वनवास के दिनों में रावण ने माता सीता का छल से हरण कर लिया था। श्रीराम ने हनुमान और सुग्रीव आदि मित्रों की सहायता से लंका पर हमला किया तथा रावण को मार कर लंका पर विजय पाई। तभी से यह त्योहार मनाया जाता है। दशहरा रामलीला का आख़िरी दिन होता है। बड़े–बड़े नगरों में रामायण के पात्रों की झांकियाँ निकाली जाती हैं। दशहरे के दिन रावण,कुम्भकर्ण तथा मेघनाद के पुतले बनाए जाते हैं। सायंकाल के समय राम लीला का आयोजन किया जाता है जिसमें श्रीराम और रावण आपस में युद्ध करते हैं और श्रीराम जी की जीत होती है। जब श्रीराम रावण को मार देते हैं तब रावण, कुम्भकर्ण तथा मेघनाद के पुतलों को आग लगा दी जाती है। पटाखे आदि छोड़े जाते हैं, लोग मिठाइयाँ तथा खिलौने लेकर घरों को लौटते हैं।

स्वच्छता अभियान

आओ स्वच्छता अभियान चलाएँ, जन–जन को नयी राह दिखाएँ

हमारे भारत देश में प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार ने कई अभियान चलाए हैं। इनमें स्वच्छ भारत अभियान बहुत ज़्यादा महत्वपूर्ण और लोकप्रिय है। इस अभियान में हमारे देश के प्रत्येक गाँव व शहर को साफ़–सुथरा रखने का संदेश दिया गया है। यह अभियान हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरु किया गया है। स्वच्छ भारत राष्ट्र–पिता महात्मा गाँधी जी का सपना था। इसलिए इस अभियान को भारत सरकार ने 2 अक्तूबर के दिन शुरु किया था। इस अभियान ने देश के लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया है।

स्वच्छ भारत अभियान शुरू करने के पीछे कई उद्देश्य हैं। जैसे कि प्रत्येक घर में शौचालय का प्रबंध करना; खुले में शौच पर पाबंदी लगाना; दूषित जल के निकास का उचित प्रबंध करना; सड़कों, नदियों, तालाबों और जलाशयों की सफ़ाई करना; पीने के पानी की उचित व्यवस्था आदि कई उद्देश्य शामिल हैं। इससे अपना देश स्वच्छ और सुंदर देश बन सकेगा। हम सभी मिलकर अपने देश से पूरी तरह गंदगी हटाएंगे तो; हमारे देश का नाम सबसे स्वच्छ देशों की सूची में शामिल हो जाएगा। इस अभियान में देश के प्रत्येक नागरिक को अपना योगदान देना चाहिए।

श्री गुरु नानक देव जी

श्री गुरु नानक देव जी सिक्खों के पहले गुरु माने जाते हैं। इनका जन्म सन् 1469 ई. में तलवंडी नामक गाँव में हुआ, जो आजकल पाकिस्तान में है और 'ननकाना साहिब' के नाम से प्रसिद्ध है। इनके पिताजी का नाम मेहता कालू जी तथा माता जी का नाम तृप्ता देवी था। गुरु नानक देव जी बचपन से ही प्रभु भक्ति में लीन रहते थे। एक बार गुरुजी के पिताजी ने उन्हें धन देकर व्यापार करने भेजा। रास्ते में कुछ भूखे साधु देखकर गुरुजी ने उन्हें भोजन खिला दिया। इस घटना को 'सच्चा सौदा' के नाम से जाना जाता है।

बड़े होने पर गुरुजी का विवाह माता सुलक्खनी जी के साथ हुआ। आपके दो पुत्र श्रीचंद और लखमीदास (लक्ष्मीदास) हुए। आप कुछ देर सुल्तानपुर में अपनी बहन नानकी जी के पास रहे। जहाँ आपने नवाब़ के मोदी खाने में नौकरी की। वहाँ भी आप ईश्वर की भक्ति में लीन रहते और तेरा–तेरा तोलकर सभी ग़रीबों की सहायता करते रहते थे। संसार को प्रभु भक्ति का रास्ता दिखाने तथा सच्चाई की ओर लगाने के लिए गुरुजी ने चारों दिशाओं में यात्राएँ कीं, जिन्हें चार उदासियाँ कहा जाता है। गुरुजी ने 'किरत करो, नाम जपो, वंड छको।' का उपदेश दिया; जिसका अर्थ है मेहनत और ईमानदारी से कमाओ; उस कमाई को मिल बाँटकर खाओ और परमात्मा के गुण गाते हुए जीवन बिताओ। गुरुजी ने कहा है कि परमात्मा एक है और हम सब उसी की संतान हैं इसलिए कोई बड़ा या छोटा नहीं है। सन् 1539 ई. में आप ज्योति ज्योत समा गए। गुरुजी की सारी वाणी श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में मिलती है।

प्यासा कौआ

एक बार गर्मी का मौसम था। एक कौआ प्यास से तड़प रहा था। गर्मी के कारण सारे तालाब सूख चुके थे। वह पानी की तलाश में इधर–उधर उड़ रहा था। परन्तु उसे कहीं भी पानी न मिला। अन्त में वह एक बाग़ में पहुँचा। वहाँ उसने एक घड़ा देखा। घड़े को देखकर वह बहुत प्रसन्न हुआ। वह उड़ कर उसके पास गया। उसने जब पानी पीने के लिए घड़े में अपनी चोंच डाली तो उसने देखा कि घड़े में पानी बहुत कम था। उसकी चोंच पानी तक नहीं पहुँच सकी। उसने घड़े के आसपास देखा वहाँ बहुत से कंकर पड़े थे। तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने एक–एक करके वे कंकर घड़े में डालने शुरू कर दिए। थोड़ी ही देर में पानी ऊपर आ गया। कौए ने जी भर कर पानी पिया और वहाँ से उड़ गया।
शिक्षा–जहाँ चाह, वहाँ राह।

लालची कुत्ता

एक कुत्ता था। एक दिन उसे बहुत भूख लगी। वह भोजन की तालाश में इधर–उधर भटक रहा था। चलते–चलते वह एक कसाई की दुकान पर जा पहुँचा। उसे वहाँ माँस का एक टुकड़ा मिला। वह माँस के टुकड़े को किसी एकान्त स्थान पर जाकर खाना चाहता था। वह जंगल के रास्ते जाने लगा। रास्ते में एक नदी थी। वह नदी के पुल से गुज़र रहा था। उसने पुल के नीचे नदी में अपनी परछाईं देखी। उसने समझा कि पुल के नीचे कोई दूसरा कुत्ता माँस का टुकड़ा लेकर खड़ा है। उस कुत्ते के मन में लालच पैदा हो गया। वह दूसरे कुत्ते से माँस का टुकड़ा छीनना चाहता था। वह माँस का टुकड़ा लेने के लिए भौंकने लगा। उसने भौंकने के लिए जैसे ही अपना मुँह खोला, उसका अपना माँस का टुकड़ा पानी में गिर गया। वह भूखा रहकर अपनी मूर्खता पर बहुत पछता रहा था।

शिक्षा–लालच बुरी बला है।

चालाक लोमड़ी

एक जंगल में एक लोमड़ी रहती थी। वह बहुत ही भूखी थी। वह अपनी भूख मिटाने के लिए भोजन की तालाश में इधर–उधर घूमने लगी। उसने सारा जंगल छान मारा। जब उसे सारे जंगल में भटकने के बाद भी कुछ न मिला तो वह गर्मी और भूख से परेशान होकर एक पेड़ के नीचे बैठ गई। अचानक उसकी नज़र ऊपर गई। पेड़ पर एक कौआ बैठा हुआ था। उसके मुँह में रोटी का एक टुकड़ा था। कौए के मुँह में रोटी देखकर उस भूखी लोमड़ी के मुँह में पानी भर आया। वह कौए से रोटी छीनने का उपाय सोचने लगी। उसे अचानक एक उपाय सूझा और तभी उसने कौवे को कहा, "कौआ भैया! तुम बहुत ही सुन्दर हो। मैंने तुम्हारी बहुत प्रशंसा सुनी है। सुना है तुम गीत बहुत अच्छे गाते हो। तुम्हारी सुरीली, मधुर आवाज़ के सभी दीवाने हैं। क्या मुझे गीत नहीं सुनाओगे?'' कौआ अपनी प्रशंसा सुनकर बहुत खुश हुआ। वह लोमड़ी की मीठी–मीठी बातों में आ गया और बिना सोचे–समझे उसने गाना गाने के लिए मुँह खोल दिया। उसने जैसे ही अपना मुँह खोला, रोटी का टुकड़ा नीचे गिर गया। भूखी लोमड़ी ने झट से वह टुकड़ा उठाया और वहाँ से भाग गई।

शिक्षा – हमें झूठी प्रशंसा से बचना चाहिए।

एकता में बल है

किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसके चार पुत्र थे। वे सदैव आपस में लड़ते–झगड़ते रहते थे। यह देखकर किसान बहुत दुःखी होता था। उसने कई बार समझाने का प्रयत्न किया परन्तु उन पर इसका कोई असर न हुआ। एक दिन किसान बहुत बीमार हो गया। उसे लगा कि अब उसके बचने की कोई आशा नहीं है। जब वह अपने बेटों के बारे में सोचता तो उसका दिल डूबने लगता। उसे एक उपाय सूझा। उसने चारों पुत्रों को अपने पास बुलाया तथा एक

लकड़ियों का गट्ठर लाने के लिए कहा। जब लकड़ियों का गट्ठर आ गया तो उसने प्रत्येक बेटे को उसे तोड़ने के लिए कहा, परन्तु कोई भी उस गट्ठर को तोड़ न सका। फिर बूढ़े किसान ने अपने बेटों को गट्ठर खोलकर एक–एक लकड़ी को तोड़ने के लिए कहा। अब सभी ने बड़ी सरलता से एक–एक लकड़ी को तोड़ दिया।
तब उस बूढ़े किसान ने अपने पुत्रों को समझाया कि यदि तुम मिल–जुलकर इकट्ठे रहोगे तो कोई भी तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकता। यदि तुम अलग–अलग रहोगे तो इन लकड़ियों की तरह शीघ्र ही टूट जाओगे। अब किसान के बेटों को पिता की बात समझ आ गई थी और वे सब मिलजुल कर रहने लगे।

शिक्षा – संगठन में ही शक्ति है।

ईमानदार लकड़हारा

एक गाँव में एक लकड़हारा रहता था। उसका नाम भानु था। वह बहुत ईमानदार और दयालु लकड़हारा था। वह जंगल में जाता, लकड़ियाँ काट कर लाता और उन्हें बाज़ार में बेच आता। इससे उसके घर का गुज़ारा होता था। एक दिन जब वह जंगल में से लकड़ियाँ काट कर वापस आ रहा था तो अचानक उसके हाथ से कुल्हाड़ी छूट कर नदी में गिर गई। लकड़हारे ने नदी में कूद कर कुल्हाड़ी को ढूँढने का प्रयास किया, लेकिन काफी समय गुज़र जाने के बाद भी वह अपनी कुल्हाड़ी नही ढूँढ पाया। वह दुःखी होकर एक कोने में बैठ गया और रोने लगा। अचानक वहाँ पर जलदेवी प्रकट हुई और उससे रोने का कारण पूछा। लकड़हारे ने जलदेवी को अपना दुःख बताया। जलदेवी नदी में गईं और चाँदी की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आईं। उसने लकड़हारे को वह कुल्हाड़ी देनी चाही लेकिन लकड़हारे ने कहा कि यह चाँदी की कुल्हाड़ी उसकी नहीं है। जलदेवी फिर से नदी में गईं और नदी से सोने की कुल्हाड़ी लेकर आईं। लकड़हारे ने कहा कि यह सोने की कुल्हाड़ी मेरी नहीं है। जलदेवी फिर से नदी में गईं और नदी से उसकी लोहे की कुल्हाड़ी लेकर आईं। लकड़हारे ने खुशी–खुशी अपनी कुल्हाड़ी ले ली। उसकी ईमानदारी से जलदेवी बहुत प्रसन्न हुईं और लकड़हारे को चाँदी और सोने की कुल्हाड़ी भी दे दी। लकड़हारा तीनों कुल्हाड़ियाँ लेकर घर आया। उसने अपनी पत्नी को यह पूरी घटना सुनाई और उसकी पत्नी बहुत खुश हुई।

शिक्षा – ईमानदारी सुख की खान है।

अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश– 1

शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्त्व है, इस पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भाग–दौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया है कि इस सारी भाग–दौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है जब तक कि उसका शरीर भी स्वस्थ है। जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है वह अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल तथा शुद्ध वायु संयम तथा नियमित जीवन सभी कुछ आवश्यक है किंतु इन सबमें व्यायाम करने वाले व्यक्ति में कुछ ऐसी अद्भुत शक्ति आ जाती है कि अपने सारे शरीर पर उसका अधिकार हो जाता है।
प्रश्न. व्यायाम का क्या महत्त्व है?
उत्तर. शरीर को निरोगी रखने में व्यायाम का बहुत महत्त्व है।
प्रश्न. आज व्यक्ति क्या भूल गया है?
उत्तर. आज व्यक्ति यह भूल गया है कि वह भाग–दौड़ तभी कर सकता है जब तक वह शारीरिक रूप से स्वस्थ है।
प्रश्न. शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति क्या नुकसान करता है ?
उत्तर. शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है।
प्रश्न. अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्या–क्या आवश्यक हैं?
उत्तर. अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल, शुद्ध वायु, संयमित एवं नियमित जीवन आवश्यक है।

अपठित गद्यांश– 2

मेरे देश का नाम भारत है, जो महाराज दुष्यंत एवं शकुंतला के प्रतापी पुत्र "भरत" के नाम पर रखा गया। पहले इसे "आर्यावर्त" कहा जाता था। इस पावन देश में राम, कृष्ण, महात्मा बुद्ध, वर्धमान महावीर आदि महापुरुषों ने जन्म लिया। इस देश में अशोक और अकबर जैसे प्रतापी सम्राट भी हुए हैं। इस देश के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, लोकमान्य तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरोजिनी नायडू आदि ने कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया।
प्रश्न. आप किस देश में रहते हैं?
उत्तर. मैं भारत देश में रहता हूँ।
प्रश्न. भारत का नाम किसके नाम पर रखा गया?
उत्तर. भारत का नाम महाराज दुष्यंत और शकुंतला के प्रतापी पुत्र भरत के नाम पर रखा गया।
प्रश्न. इस देश को पहले किस नाम से जाना जाता था?
उत्तर. इस देश को पहले "आर्यावर्त" के नाम से जाना जाता था।
प्रश्न. प्राचीन काल में किन–किन महापुरुषों ने इस देश में जन्म लिया?
उत्तर. प्राचीन काल में इस देश में राम, कृष्ण, महात्मा बुद्ध, वर्धमान महावीर जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया।

प्रश्न. स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करने वाले प्रमुख नेताओं के नाम बताइए।
उत्तर स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करने वाले प्रमुख नेता थे– महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, लोकमान्य तिलक, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरोजिनी नायडू आदि।

अपठित गद्यांश– 3

साहस की जिंदगी रोमांचक होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि साहसी व्यक्ति इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाले आदमी दुनिया की असली ताकत होते हैं और दुनिया को प्रकाश भी उसी से मिलता है। अड़ोस–पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना किसी और के साथ नहीं करते और न ही वे पड़ोसी की चाल देखकर अपनी चाल को मद्धिम बनाते हैं।

प्रश्न. साहस की जिंदगी की क्या पहचान है?
उत्तर. साहस की जिंदगी की यह पहचान होती है कि वह रोमांचक होती है, तथा साहसी व्यक्ति निडर होता है।
प्रश्न. कैसा व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है?
उत्तर. जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है।
प्रश्न. साधारण लोग कैसे होते हैं?
उत्तर. साधारण लोग अड़ोस–पड़ोस को देखकर चलते हैं।
प्रश्न. क्रांति करने वाले लोग कैसे होते हैं?
उत्तर. क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना किसी और के साथ नहीं करते और न उनकी चाल को देखकर अपनी चाल को मद्धिम बनाते हैं।
प्रश्न. दुनिया को प्रकाश किस से मिलता है हैं?
उत्तर. जनमत की उपेक्षा करके जीने वाले साहसी व्यक्ति से ही दनिया को प्रकाश मिलता है।

विद्यार्थियों के लिए अभ्यास

1. दिए गये अपठित गद्यांश को पढ़कर आगे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें।

सच्चा मित्र एक शिक्षक की भाँति होता है। जिस प्रकार शिक्षक अपने छात्र को सन्मार्ग की ही ओर अग्रसर करता है, उसी प्रकार एक सच्चा मित्र अपने मित्र को पाप की गर्त में गिरने से बचाता है। मानव–जीवन अधिक रहस्यपूर्ण है। कभी–कभी जीवन में ऐसे अवसर उपस्थित हो जाते हैं, जब मनुष्य की धर्म–बुद्धि नष्ट हो जाती है और उसका मन तेज गति से पाप की ओर दौड़ता है। ऐसे समय में मित्र का ही उपदेश अधिक कल्याणकारी सिद्ध होता है। मित्र के उपदेश का जितना प्रभाव हृदय पर पड़ता है, उतना और किसी का नहीं।

प्रश्न :
1. इस गद्यांश में सच्चे मित्र की तुलना किससे की गई है ?
2. सच्चे मित्र और शिक्षक में क्या समानता है?
3. मनुष्य पाप की ओर क्यों प्रवृत्त हो जाता है?
4. हृदय पर सबसे अधिक प्रभाव किसका पड़ता है ?
5. मनुष्य को पाप की गर्त में गिरने से कौन बचाता है ?

2. दिए गये अपठित गद्यांश को पढ़कर आगे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें।

एक बंदर जंगल में खेल रहा था। वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूद रहा था। दूसरे पेड़ पर पहुंचते ही उसने वहां बहुत सारे फल देखे। उसने एक बड़े से अमरूद को छोड़कर एक छोटे से बेर को पकड़ा। वह खुशी से नाच रहा था। तभी वहाँ एक लोमड़ी आई। उसने बंदर को कहा, ''बंदर भैया, तुम तो बड़े अच्छे हो, मुझे भी कुछ फल दो।''

1. बंदर कहाँ खेल रहा था ?
2. बंदर कहाँ कूद रहा था ?
3. बंदर ने क्या देखा ?
4. बंदर ने कौन सा फल पकड़ा ?
5. लोमड़ी ने बंदर से क्या माँगा?

3. दिए गये अपठित गद्यांश को पढ़कर आगे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें।

शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्त्व है, इस पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भाग–दौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया है कि इस सारी भाग–दौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है जब तक कि उसका शरीर भी स्वस्थ है। जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है वह अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल तथा शुद्ध वायु संयम तथा नियमित जीवन सभी कुछ आवश्यक है किंतु इन सबमें व्यायाम करने वाले व्यक्ति में कुछ ऐसी अद्‌भुत शक्ति आ जाती है कि अपने सारे शरीर पर उसका अधिकार हो जाता है।

प्रश्न. व्यायाम का क्या महत्त्व है?
प्रश्न. आज व्यक्ति क्या भूल गया है?
प्रश्न. शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति क्या नुकसान करता है ?
प्रश्न. अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्या–क्या आवश्यक है ?
प्रश्न. पंक्ति पूरी करें :........................करने वाले व्यक्ति का अपने सारे शरीर पर अधिकार हो जाता है।

कक्षा छठी
विषय हिन्दी
भाग—क

प्रश्न 1 : निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दें।

(i) निम्न में से 'माता' का पर्यायवाची शब्द कौन सा है ?
(क) माँ ख) जननी (ग) 'क' और 'ख' दोनो (घ) इनमें से कोई नही

(ii) निम्न में से कौन सा 'भगवान' का पर्यायवाची शब्द नहीं है ?
(क) ईश्वर (ख) परमात्मा (ग) हवा (घ) प्रभु

(iii) 'चाहें' शब्द का समान तुक वाला शब्द कौन सा है?
(क) बुराई (ख) खुशहाली (ग) आहें (घ) पायें

(iv) 'लानिक' शब्द को सही क्रम से लिखते हुए कौन सा शब्द बनेगा ?
(क) निकाल (ख) कनिला (ग) निकला (घ) निकाला

(v) निम्न में से संज्ञा शब्द चुनें ।
(क) राहुल (ख) ने (ग) बहुत (घ) सोचा

(vi) 'वह बाहर बैठ गया।' वाक्य में सर्वनाम शब्द कौन सा है।
(क) बाहर (ख) गया (ग) वह (घ) बाहर

(vii) 'अध्यापिका छात्रों को पढ़ा रही है।' वाक्य में कर्म कारक चुनें।
(क) अध्यापिका (ख) छात्रों को (ग) पढ़ा (घ) रही है

(viii) 'चपड़ासी ने घण्टी बजाई।' में क्रिया शब्द चुनें।
(क) चपड़ासी (ख) घण्टी (ग) ने (घ) बजाई

प्रश्न 2 : निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दो। (कविता भाग)

(i) चिड़िया का घोंसला किस चीज से बना था ?
(क) घरों से (ख) दीवारों से (ग) ईंटों से (घ) तिनकों से

(ii) बच्चों ने भगवान से कौन—कौन से सम्बन्ध जोड़े हैं ?
(क) माता—पिता (ख) भाई—बन्धु (ग) सखा (घ) ये सभी

(iii) सूरज किस दिशा से निकलता है ?
(क) पूर्व (ख) पश्चिम (ग) उत्तर (घ) दक्षिण

(iv) चींटी से हम क्या सीख सकते हैं ?
(क) निडर रहना (ख) अथक परिश्रम (ग) लक्ष्य पर डटे रहना (घ) ये सभी

प्रश्न 3 : निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दो।

(i) निम्नलिखित शब्दों में से 'संकट' शब्द का अर्थ चुन कर लिखें।
(क) मुसीबत (ख) शाम (ग) सुबह (घ) संदेशा

(ii) 'दंड' शब्द का सही अर्थ चुन कर लिखें।
(क) मौत (ख) फांसी (ग) सजा (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'झगड़ा' शब्द का सही अर्थ चुन कर लिखें।
(क) गीला (ख) कमजोरी (ग) लड़ाई (घ) प्रकाश

प्रश्न 4 : निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दो।

यह है इन्द्रधनुष प्यारा,
सतरंगा न्यारा—न्यारा।
हृदय—हार नभ रानी का
मोहित मन हर प्राणी का।

(i) प्रस्तुत पंक्तियां किस कविता से ली गई हैं।
(क) प्रार्थना (ख) इन्द्रधनुष (ग) सूरज (घ) चिड़िया का गीत

(ii) इन्द्रधनुष में कितने रंग होते हैं?
(क) आठ (ख) नौ (ग) पाँच (घ) सात

(iii) **इस पंक्ति को पूरा करो :** मोहित मन ....प्राणी का।

(iv) इन पंक्तियों में किसकी सुन्दरता का वर्णन किया गया है?
(क) आकाश का (ख) रात का (ग) पृथ्वी का (घ) इन्द्रधनुष का

(v) कौन हर प्राणी के मन को मोह लेता है
(क) इन्द्रधनुष (ख) हार (ग) चिड़िया (घ) मानव

प्रश्न 5 : निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दो।

(i) 'कदम' शब्द का बहुवचन 'कदमों' होगा। (सही / गलत)
(ii) 'पुत्री' शब्द का लिंग बदलो 'पुत्र' होगा । (सही / गलत)
(iii) 'सुख' शब्द का विपरीत शब्द अवगुण होगा। (सही / गलत)
(iv) पड़ोस में रहने वाला पड़ोसी होता है। (सही / गलत)
(v) मिलान करें – बहुत स्वाद वाला – स्वादिष्ट
पौष्टिक

प्रश्न 6 : निर्देशानुसार करें।

(i) 'राष्ट्र + ईय' को जोड़कर नया शब्द बनायें।
(ii) 'गुरु + पर्व' को जोड़कर नया शब्द बनायें।
(iii) नाहन को ....का शहर कहा जा सकता है। (रिक्त स्थान भरें)
(iv) 'धर्म' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)
(v) 'ग्रह' शब्द में 'र' के कौन से रूप का प्रयोग हुआ है? (रेफ़ / पदेन्)

भाग– ख

प्रश्न 7 : निम्नलिखित में से किन्ही आठ प्रश्नों के उत्तर एक–दो वाक्य में दीजिए।

(i) पांवटा साहिब गुरुद्वारे का संबंध किस गुरु से है ?
(ii) लेखक ने ज्ञान का भंडार किसे कहा है ?
(iii) शंकर कैसा आदमी था ?
(iv) बुजुर्गों के स्वास्थ्य का राज़ क्या था ?
(v) गोपू कैसे गुजारा करता था ?
(vi) कबड्डी की टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं ?

प्रश्न 8 : निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर चार–पाँच वाक्यों में दे।

(i) आलू ने अपने आप को सब्जियों का राजा क्यों कहा है ?
(ii) उत्तम स्वास्थ्य के लिए साईकिल की सवारी अच्छी है। कैसे ?
(iii) मुनि द्वारा राहुल के दोनो हाथ माँगने पर राहुल किस सोच में पड़ गया ?
(iv) नाहन शहर की विशेषतायें लिखो ?

भाग–ग

प्रश्न 9 क. : निम्नलिखित में से किन्ही पाँच पंजाबी शब्दों को हिंदी में लिखिए।

ਖੁਸ਼	....	ਅਮੀਰ	....
ਕਿਰਨਾਂ	....	ਮੱਛੀ	....
ਮਿਹਨਤ	....	ਸਵੇਰੇ	....
ਨਿਆਂ	....	ਦੁਨਿਆ	....
ਇਰਾਦਾ	....		

भाग–घ

प्रश्न 10 : किन्हीं पाँच मुहावरों/लोकोक्तियों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

फूले न समाना, नौ दो ग्यारह होना, स्वर्ग सिधारना, जिगर का टुकड़ा, एक न चलना, चेहरा खिल उठना, जीवन लीला समाप्त हो जाना

भाग– ड.

प्रश्न 11: जुर्माना माफी के लिए अपने स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्रश्न 12 : 'मेरा परिचय' विषय पर निबन्ध लिखो।

अथवा

'लालची कुत्ता'' शीर्षक के लिए कहानी लिखो ।

प्रश्न 13: दिए गये अपठित पद्यांश को पढ़ कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दें।

संसार मे सबसे मूल्यवान वस्तु समय है क्योंकि दुनिया में अधिकाँश वस्तुओं को घटाया बढ़या जा सकता है, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना मनुष्य के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर मनुष्य के पास पछतावे के अलावा कुछ भी नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्व होता है। विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य होता है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेल–कूद, मौज–मस्ती तथा आलस्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वो अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गये हैं उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने है, उसका सदुपयोग करें।

प्रश्न :–

1. संसार में सबसे मूल्यवान वस्तु क्या है?
2. समय बीत जाने पर मनुष्य क्या करता है?
3. विद्यार्थी मनुष्य का उद्देश्य क्या है?
4. कौन से विद्यार्थी जीवन में उन्नति नहीं कर पाते?
5. हमें किसका सदुपयोग करना चाहिए ?

,,,

मार्गदर्शक: डॉ. राजन, एसआरपी हिंदी, पंजाब
तैयार कर्त्ता: अनवर हुसैन, हिंदी शिक्षक, राजकीय माध्यमिक पाठशाला, चणों, फतेहगढ़ साहिब
संशोधन: दीपक कुमार, **हिंदी शिक्षक, राजकीय माध्यमिक पाठशाला,** शेरगढ़, बठिंडा